मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, सोमवार, 7 अप्रैल 2025

संवत 2082, चैत्र शुक्लपक्ष 9 - मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 212, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ स्वस्थ समाज की ओर पहला कदम है जागरुकता

'सिकंदर' की कमाई में बड़ी गिरावट,100 करोड़ी के ... ◂◂ 6

वक्फ अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट में तत्काल सूचीबद्ध करने के लिए भेजा गया

नई दिल्ली : वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को चुनौती देने वाली याचिकाओं का सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में उल्लेख किया गया। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने मौखिक उल्लेख से इनकार कर दिया। पीठ ने मामले का उल्लेख कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से पूछा कि जब ईमेल भेजकर तत्काल सूचीबद्ध करने की व्यवस्था है, तो मौखिक उल्लेख क्यों किया जा रहा है और उन्हें उल्लेख पत्र भेजने को कहा। जब सिब्बल ने कहा कि पत्र पहले ही ईमेल किया जा चुका है, तो सीजेआई ने कहा कि वे आज दोपहर इसकी जांच करने के बाद आवश्यक कार्रवाई करेंगे। सीजेआई ने कहा, जब हमारे पास व्यवस्था है, तो आप उल्लेख क्यों कर रहे हैं? तत्काल पत्र भेजें और वह मेरे सामने रखा जाएगा। मैं आवश्यक कार्रवाई करूंगा। ये सभी अनुरोध हर दोपहर मेरे सामने रखे जाते हैं। इस अधिनियम को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं दायर की गई थीं, जिसमें कहा गया था कि यह मुस्लिम समुदाय के प्रति भेदभावपूर्ण है और उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 5 अप्रैल को वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को अपनी मंजूरी दे दी, जिसे पहले संसद ने दोनों सदनों में गरमागरम बहस के बाद पारित किया था। कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के सांसद असदुद्दीन ओवैसी, आप विधायक अमानतुल्लाह खान, इस्लामिक धर्मगुरुओं की संस्था जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी, केरल सुन्नी विद्वानों की संस्था समस्त केरल जमीयतुल उलेमा, सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया और एनजीओ एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स पहले ही इस अधिनियम के खिलाफ शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटा चुके हैं। अपनी याचिका में जावेद ने कहा कि यह अधिनियम मुस्लिम समुदाय के खिलाफ ऐसे प्रतिबंध लगाकर भेदभाव करता है जो अन्य धार्मिक बंदोबस्तों के शासन में मौजूद नहीं हैं। जावेद वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति के सदस्य भी थे। ओवैसी ने अपनी याचिका में कहा कि संशोधित अधिनियम वक्फ और उनके नियामक ढांचे को दी जाने वाली वैधानिक सुरक्षा को अपरिवर्तनीय रूप से कमजोर करता है, जबकि अन्य हितधारकों और हित समूहों को अनुचित लाभ प्रदान करता है, वर्षों की प्रगति को कमजोर करता है और वक्फ प्रबंधन को कई दशकों तक पीछे धकेलता है। खान की याचिका में कहा गया है कि यह अधिनियम मुसलमानों की धार्मिक और सांस्कृतिक स्वायत्तता को कम करता है, मनमाने कार्यकारी हस्तक्षेप को सक्षम बनाता है, और अपने धार्मिक और धर्मार्थ संस्थानों का प्रबंधन करने के अल्पसंख्यक अधिकारों को कमजोर करता है। समस्त केरल जमीयतुल उलेमा ने तर्क दिया कि ये संशोधन वक्फ के धार्मिक चरित्र को विकृत करेंगे और साथ ही वक्फ और वक्फ बोर्डों के प्रशासन में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अपरिवर्तनीय रूप से नुकसान पहुंचाएंगे। नेशनल कॉन्फ्रेंस की आलोचना की मदनी ने अपनी याचिका में अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों को चुनौती दी और उन्हें असंवैधानिक और भारत में वक्फ प्रशासन और न्यायशास्त्र के लिए विनाशकारी बताया। उनकी याचिका में आगे कहा गया है कि संशोधन के तहत पोर्टल और डेटाबेस पर विवरण अपलोड करने के लिए अनिवार्य समयसीमा के कारण कई वक्फ संपत्तियां असुरक्षित हो जाएंगी, जिससे बड़ी संख्या में ऐतिहासिक वक्फों का अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाएगा - विशेष रूप से मौखिक समर्पण या औपचारिक कार्यों के बिना बनाए गए वक्फ। जबकि एनजीओ ने प्रस्तुत किया कि अधिनियम न केवल अनावश्यक है, बल्कि मुस्लिम समुदाय के धार्मिक मामलों में एक खतरनाक हस्तक्षेप भी है, जो वक्फ के मूल उद्देश्य को कमजोर करता है, जो कि कुरान के संदर्भों में गहराई से निहित एक प्रथा है।

जूलुस के दौरान पावर कट पर सुप्रीम कोर्ट और झारखंड हाईकोर्ट सख्त

जरूरत पड़ने पर ही बिजली कटौती का दिया निर्देश

रांची/हजारीबाग: पूरे राज्य में जब भी कोई जुलूस निकलता है तो बिजली उस क्षेत्र में सुरक्षा की दृष्टीकोण से काट दी जाती है। हजारीबाग रामनवमी के दौरान लंबे समय तक बिजली काट दी जाती थी। जिससे लोगों समेत अस्पताल में मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। लेकिन अब इस समस्या का समाधान निकाल लिया गया है।

जरूरत पड़ने पर हो पावर कट: हाईकोर्ट सुप्रीम कोर्ट और झारखंड हाईकोर्ट के आदेश के बाद क्षेत्र में बिजली वहीं काटी जाएगी जहां जरूरी होगी। लंबे समय तक बिजली कटौती नहीं की जाएगी। इस बात की जानकारी हजारीबाग उपायुक्त नैंसी सहाय ने दी है। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट और झारखंड हाईकोर्ट के आदेश के बाद हमने तैयारी कर ली है। जिन-जिन क्षेत्रों से जुलूस गुजर जाएगा, उस रूट पर बिजली सप्लाई सुचारु रूप से कर दी जाएगी।

अस्पताल और आपातकालीन सेवाओं में जारी रहनी चाहिए बिजली आपूर्तिः इस पर सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि बिजली कटौती केवल शोभायात्रा मार्गों तक सीमित रहे और उसे न्यूनतम स्तर पर रखा जाए। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि अस्पतालों और आपातकालीन सेवाओं की बिजली आपूर्ति पर कोई असर न रहे। उच्च अदालत ने जेबीवीएनएल के प्रबंध निदेशक को यह अंडरटेकिंग देने का निर्देश दिया है कि कम समय के लिए बिजली काटी जाएगी और अस्पताल के साथ साथ अन्य जरूरी सेवा वाली संस्थाओं को बिजली आपूर्ति की जाएगी।

जुलूस में लोगों की सुरक्षा के लिए होता था पावर कट: दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड में रामनवमी सहित अन्य त्योहारों के दौरान बिजली कटौती पर रोक लगाने के झारखंड हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी है। झारखंड सरकार ने हाईकोर्ट की ओर से 3 अप्रैल को जारी आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। झारखंड सरकार के निर्देश पर राज्य बिजली वितरण निगम (जेबीवीएनएल) त्योहारों पर निकलने वाली शोभायात्रा या जुलूस में शामिल लोगों की सुरक्षा के मद्देनजर एहतियात के तौर पर कई घंटों तक बिजली बंद कर देता था।

स्वतः संज्ञान लेते हुए कोर्ट ने सुनाया फैसला: सरहुल त्योहार की शोभायात्रा के दौरान भी रांची में 5 से 10 घंटे तक बिजली की कटौती की गई थी। जिसके बाद झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव और जस्टिस दीपक रोशन ने 3 अप्रैल को स्वतः संज्ञान लेते हुए त्योहारों के दौरान बिजली आपूर्ति बंद करने के झारखंड सरकार के निर्देश पर रोक लगा दी थी।

जूलुस के दौरान करंट लगने की रहती है संभावना: हाईकोर्ट के इस आदेश को चुनौती देने वाली राज्य सरकार की याचिका पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने सुनवाई की। झारखंड सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलील दी कि रामनवमी के जुलूस में लोग लंबे झंडे लेकर चलते हैं, जिससे करंट लगने की आशंका बनी रहती है। क्योंकि पहले ऐसी घटनाएं घट हो चुकी हैं।

10 से 12 घंटे होती है बिजली कटौती: दरअसल, हजारीबाग में रामनवमी और बड़े स्तर पर जुलूस निकाला जाता है। कई कई बार तो 36 घंटों तक जुलूस सड़कों पर रहता है। आमतौर पर यह देखने को मिलता था कि जुलूस जब निकलता था तो बिजली आपूर्ति बाधित कर दी जाती थी। खास करके जामा मस्जिद रोड में जुलूस के प्रवेश करते ही बिजली काट दी जाती थी। लगभग 10 से 12 घंटे तक लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। अब सुप्रीम कोर्ट और झारखंड हाई कोर्ट के आदेश के बाद आम जनता को बड़ी राहत मिल है। झारखंड हाई कोर्ट ने सरहुल जुलूस के दौरान 10 घंटे तक बिजली काटे जाने के बाद खुद ही संज्ञान लिया था।

तेज रफ्तार बस ने रिक्शा को मारी टक्कर, 11 की मौत, 8 घायल

इस्लामाबाद: पाकिस्तान के पूर्वी प्रांत पंजाब में भीषण सड़क हादसा पेश आया है। सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए हैं। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। क्षेत्र की पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना प्रांत के जरानवाला जिले में हुई, जहां एक तेज रफ्तार बस ने एक रिक्शा को टक्कर मार दी, जिसके कारण महिलाओं और बच्चों सहित 11 लोगों की जान चली गई। हादसे में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि घायलों में से कम से कम तीन की हालत गंभीर है। दुर्घटना के बाद, पुलिस और बचाव दल घटनास्थल पर पहुंचे और पीड़ितों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार, दुर्घटना बस चालक की तेज गति और लापरवाही के कारण हुई।

बेगूसराय में कांग्रेस की पदयात्रा में हुए शामिल राहुल गांधी संविधान सुरक्षा सम्मेलन' को संबोधित करने पटना रवाना

पटना: लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बिहार के बेगूसराय जिले में सोमवार को कांग्रेस की पलायन रोको, नौकरी दो' पदयात्रा में शामिल हुए। सफेद टी-शर्ट पहने गांधी ने बेगूसराय शहर में पदयात्रा में भाग लिया। इस दौरान कन्हैया कुमार और कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष राजेश कुमार सहित कई पार्टी नेता भी उनके साथ मौजूद थे। बता दें कि कांग्रेस और उसकी छात्र एवं युवा शाखा के बड़ी संख्या में नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी पदयात्रा में भाग लिया। उन्होंने पार्टी के झंडे और तख्तियां लेकर रक्षा बलों में रिक्त पदों को तत्काल भरने की मांग की। यात्रा में शामिल होने के बाद राहुल गांधी 'संविधान सुरक्षा सम्मेलन' को संबोधित करने बेगूसराय से पटना के लिए रवाना हो गए।

वहीं इससे पहले दिन में गांधी पटना से बेगूसराय पहुंचे, जहां जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर राजेश कुमार और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने उनका स्वागत किया। बाद में वह संविधान सुरक्षा सम्मेलन' को संबोधित करने के लिए पटना रवाना। इसके बाद वह पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के लिए पटना में बिहार कांग्रेस कार्यालय सदाकत आश्रम जाएंगे। यह जनवरी के बाद से गांधी का तीसरा बिहार दौरा है। उन्होंने जनवरी में पार्टी कार्यकताओं से इस वर्ष के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों में भाजपा को वैचारिक रूप से पराजित करने'' का आग्रह किया था। रायबरेली से सांसद राहुल गांधी ने ह्यएक्स' पर एक मिनट का वीडियो संदेश साझा किया जिसमें उन्होंने बिहार के युवाओं से सफेद टी-शर्ट पहनकर मार्च में शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने वीडियो में कहा, हमारा उद्देश्य बिहार के युवाओं की दुर्दशा की ओर दुनिया का ध्यान आकर्षित करना है। ये युवा देख रहे हैं कि सरकारी नौकरियां दिन-प्रतिदिन कम होती जा रही हैं और निजीकरण से कोई लाभ नहीं हो रहा। अपने अधिकारों के लिए सरकार पर दबाव बनाने और उसे (सत्ता से) हटाने के लिए आवाज उठाएं।''

बता दें कि राज्य में विधानसभा चुनाव कुछ ही महीनों बाद होने हैं। इन चुनावों में राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस और वाम दलों वाले महागठबंधन का मुकाबला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से है। सत्तारूढ़ राजग में जनता दल (यूनाइटेड) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शामिल हैं। बेगूसराय कन्हैया कुमार का गृह जिला भी है। वह पिछले महीने पूर्वी चंपारण जिले से शुरू हुई पदयात्रा में आकर्षण का केंद्र रहे हैं। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष कुमार ने 2019 का लोकसभा चुनाव भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के टिकट पर बेगूसराय सीट से लड़ा था लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

गृह मंत्री अमित शाह का जम्मू कश्मीर दौरा

पाकिस्तान ने पुंछ में तोड़ा संघर्ष विराम, सेना का मुंहतोड़ जवाब

जम्मू : पाकिस्तानी सेना ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर संघर्ष विराम तोड़ा। भारतीय सेना ने इसका जोरदार जवाब दिया। संघर्ष विराम का उल्लंघन ऐसे समय में हुआ जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर के तीन दिन के दौरे पर हैं।

अधिकारियों ने बताया, पाकिस्तानी सेना ने आज पुंछ जिले के दिगवार सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम तोड़ा। भारतीय सेना ने इसका मुंहतोड़ जवाब दिया।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी के दौरान कोई घुसपैठ न हो, इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया गया है।

इससे पहले 1 अप्रैल को पाकिस्तानी सेना ने पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर एक बारूदी सुरंग के धमाके के बाद बिना किसी कारण के गोलीबारी की और संघर्ष विराम तोड़ा। सेना ने एक बयान में कहा कि भारतीय सैनिकों ने संतुलित और नियंत्रण तरीके से प्रभावी जवाब दिया। ऐसी खबरें मिली हैं कि आतंकवादी, पुंछ, राजौरी, कठुआ और किश्तवाड़ जिले के पहाड़ी इलाकों में सक्रिय हैं।

23 मार्च को कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के करीब भारतीय हिस्से में घुसपैठ करने वाले पांच आतंकवादियों का सामना स्थानीय पुलिस की टीम से हुआ। यह मुठभेड़ अंतर्राष्ट्रीय सीमा से 4 किलोमीटर अंदर सान्याल गांव में हुई। मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए, जबकि चार पुलिसकर्मी शहीद हो गए। संयुक्त बलों ने बाकी तीन आतंकवादियों को ढूंढने के लिए कठुआ और राजौरी जिलों के ऊंचे इलाकों में अपना खोजो और खत्म करो अभियान बढ़ा दिया। कठुआ जिले के बिलावर इलाके में शुक्रवार को आतंकवादियों और संयुक्त बलों के बीच मुठभेड़ हुई। जानकारी के मुताबिक कठुआ जिले के ऊंचे इलाकों का इस्तेमाल आतंकवादी राजौरी और पुंछ जिलों में घुसपैठ करने के लिए कर रहे हैं।

आतंकवादियों के हिट-एंड-रन हमलों को नाकाम करने के लिए सेना के लगभग 4,000 विशेष प्रशिक्षित पैरा कमांडो को इन जिलों के घने जंगलों में तैनात किया गया। संयुक्त बलों की गतिविधियों के बाद आतंकवादी पुंछ, राजौरी और कठुआ जिलों में हिट-एंड-रन हमले नहीं कर पा रहे हैं, जैसा कि 2024 की आखिरी तिमाही में हुआ था।

इस बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह रविवार शाम जम्मू पहुंचे। जम्मू में भाजपा विधायकों को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने उन्हें भरोसा दिलाया कि क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति जल्दी सामान्य हो जाएगी।

विश्व स्वास्थ्य दिवस : प्रधानमंत्री मोदी ने मोटापे को लेकर जताई चिंता, दी सलाह

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को विश्व स्वास्थ्य दिवस के मौके पर देशवासियों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और मोटापे से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत फिटनेस को प्राथमिकता देना भारत के विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य में अहम योगदान करेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, विश्व स्वास्थ्य दिवस पर, आइए हम एक स्वस्थ दुनिया बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जाहिर करें। हमारी सरकार स्वास्थ्य सेवा पर ध्यान देती रहेगी और लोगों की भलाई के लिए विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करती रहेगी। अच्छा स्वास्थ्य किसी भी समृद्ध समाज की नींव है।

एक वीडियो संदेश में प्रधानमंत्री ने सदियों पुरानी कहावत, स्वास्थ्य ही परम सौभाग्य और परम धन है को याद दिलाया और भारत में बढ़ते मोटापे के संकट पर चिंता जताई। उन्होंने कहा, आजकल हमारी जीवनशैली हमारे स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा बनती जा रही है। हाल ही में आई एक रिपोर्ट के अनुसार, 2050 तक 44 करोड़ से ज्यादा भारतीय मोटापे से ग्रसित होंगे। यह चिंता की बात है, यह कितना बड़ा संकट बन सकता है।

अपने संदेश में पीएम मोदी ने यह भी कहा कि स्वस्थ खाने की आदतें अपनाना, जैसे कि तेल का कम उपयोग, सिर्फ व्यक्तिगत फैसला नहीं है, बल्कि यह हमारी सामाजिक जिम्मेदारी भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समस्या को रोकने के लिए तुरंत कदम उठाने की अपील की और एक सरल सुझाव दियाः मैं आज आपसे एक वादा लेना चाहता हूं कि हम सभी अपने खाना पकाने के तेल में 10 प्रतिशत की कमी करें। यह मोटापे को कम करने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा।

उन्होंने लोगों को अपनी दिनचर्या में नियमित शारीरिक गतिविधि जोड़ने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने कहा, इसके अलावा, हमें व्यायाम को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा। अगर हम खुद को फिट रखते हैं, तो यह विकसित भारत की ओर एक महत्वपूर्ण कदम होगा। प्रधानमंत्री हमेशा मोटापे और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के लिए आगे रहे हैं।

अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के एक एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक खेल क्षेत्र में भारत की प्रगति की सराहना की थी और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर जोर दिया था। अपने संबोधन में उन्होंने एक चिंताजनक स्वास्थ्य प्रवृत्ति का जिक्र किया था, जिसमें डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के आधार पर भारत में मोटापे के बढ़ते मामलों की बात की थी।

उन्होंने कहा था, भारत में हर आठ में से एक व्यक्ति मोटापे से प्रभावित है। हाल के वर्षों में इसका प्रचलन दोगुना हो गया है और बचपन में मोटापा चार गुना बढ़ चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चेतावनी दी थी कि मोटापा हृदय रोग, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि जीवनशैली में छोटे लेकिन प्रभावी बदलाव इन जोखिमों को कम करने में मदद कर सकते हैं।

अपने संदेश को और फैलाने के लिए पीएम मोदी ने मोटापे के बारे में जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ भोजन को बढ़ावा देने के लिए एक राष्ट्रीय अभियान में शामिल होने के लिए दस प्रमुख हस्तियों को आमंत्रित किया था।

इनमें जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, उद्योगपति आनंद महिंद्रा, अभिनेता-राजनेता दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ, ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर और मीराबाई चानू, अभिनेता मोहनलाल और आर। माधवन, गायिका श्रेया घोषाल, परोपकारी और राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति, और इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणी शामिल थे। प्रधानमंत्री ने इन सभी को प्रोत्साहित किया था कि वे इस अभियान को और प्रभावी बनाने के लिए दस और व्यक्तियों को नामित करें, ताकि इसका असर और अधिक लोगों तक पहुंचे।

झारखंड की महिलाओं का राशन कार्ड भी जरूरी, वेरिफिकेशन से होगी मंईयां की पहचान

- लाभुक झारखंड की व नाम राशन कार्ड में होना जरूरी
- अप्रैल से आधार लिंक्ड सिंगल अकाउंट होना जरूरी

संवाददाता

रांचीः मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की लाभुकों की वास्तविक पहचान करने के लिए महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग अब राशन कार्ड का भी सत्यापन कराएगा। इसके लिए नोडल विभाग ने खाद्य आपूर्ति विभाग से राशन कार्ड पोर्टल के एप्लीकेशन प्रोग्राम इंटरफेस (एपीई) के उपयोग की स्वीकृति मांगी है। जानकारी के मुताबिक नोडल विभाग ने कई अन्य सॉफ्टवेयर इंटरफेस से भी लाभुकों की वास्तविक स्थिति जांचने का फैसला किया है।

इसमें नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई), नेशनल इंफॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) और पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम (पीएफएमएस) शामिल हैं। इससे सामाजिक सुरक्षा विंग यह जांच सकेगा कि महिला लाभुक की आयु 18 से 50 वर्ष तक हो। वह झारखंड की हों। जांच में यह भी पता चलेगा कि लाभुक का राशन कार्ड आधार लिंक्ड है या नहीं। पिछले दिनों पश्चिम बंगाल के एक व्यक्ति ने इस योजना का लाभ लेने के लिए एक बैंक अकाउंट से 95 बार आवेदन किया था।

लाभुक झारखंड की व नाम राशन कार्ड में होना जरूरीः सामाजिक सुरक्षा निदेशक समीरा एस। ने बताया है कि योजना का लाभ लेने के लिए राशन कार्ड अनिवार्य है। खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा एपीआई स्वीकृति के बाद यह पता चलेगा कि लाभुक का नाम राशन कार्ड में दर्ज है। वह झारखंड की निवासी है। खाद्य आपूर्ति विभाग राशन कार्ड से आधार लिंक्ड करा रहा है। उससे भी लाभुकों का आधार वेरिफिकेशन आसानी से हो जाएगा। यदि लाभुक का आधार पीडीएस से लिंक्ड नहीं होगा तो महिला, बाल विकास विभाग यूआईडीएआई यानी आधार वेरिफिकेशन करेगा।

मार्च तक लाभुकों के खाते में भेजे जा रहे 7500: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने छह जनवरी को दिसंबर माह के लिए 56 l61 लाख महिला लाभुकों के खाते में 1415 l45 करोड़ रुपए का ऑनलाइन ट्रांसफर किया था। होली के दौरान करीब 38 लाख महिला लाभुकों के खाते में राशि भेजी गई थी। इनका बैंक खाता आधार लिंक्ड था। बीते दिनों कैबिनेट के फैसले में बिना आधार लिंक्ड खाते में राशि भेजने की स्वीकृति दी गई। हालांकि यह फैसला केवल मार्च तक के लिए है। शुक्रवार शाम और शनिवार को शेष लाभुकों के खाते में तीन माह के 7500 रुपए भेजे गए हैं।

अप्रैल से आधार लिंक्ड सिंगल अकाउंट होना जरूरीः अप्रैल से योजना की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया गया है। अब लाभुकों को केवल आधार लिंक्ड सिंगल बैंक खाता के माध्यम से ही आर्थिक सहायता राशि का भुगतान किया जाएगा। इस माह से लाभुकों को प्रत्येक माह 2500 रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। बता दें कि आवेदन के समय महिला लाभुक 21 वर्ष की आयु पूरी कर चुकी हो तथा 50 वर्ष से कम आयु का होना जरूरी है। आवेदिका के पास आधार और राशन कार्ड हो। जिनका राशन कार्ड में नाम नहीं है, उनके लिए पिता-पति का राशन कार्ड मान्य किया गया है। रांची जिले की 4,31,393 महिलाओं को मंईयां सम्मान योजना का लाभ मिला। इनमें 308282 को आधार बेस्ड और 123111 को बैंक अकाउंट बेस्ड खाते में सम्मान राशि भेजी गई है। सभी लाभुकों के खाते में जनवरी, फरवरी, मार्च की एकमुश्त राशि 7500 भेजी गई है। होली से पहले 308282 लाभुकों को आधार बेस्ड योजना की सौगात दी गई थी। इसके बाद 123111 लाभुकों को बैंक अकाउंट बेस्ड उनके बैंक खाते में सम्मान राशि भेजी गई है। रांची डीसी ने जिले के लाभुकों को आधार बैंक खाते से लिंक कराने को कहा है। सभी बीडीओ-सीओ को सत्यापन फॉर्म उपलब्ध कराने और सत्यापन कराने को कहा है।

हर्षोल्लास के मनायी गयी रामनवमी शोभायात्रा रही आकर्षण का केंद्र

संवाददाता

रांचीः राज्य में बीते रविवार प्रभु राम का जन्मोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। राजधानी रांची में मुख्य शोभा यात्रा का नेतृत्व श्री महावीर मंडल केंद्रीय समिति रांची ने किया। राजधानी में मुख्य शोभायात्रा रातू रोड होते हुए, महावीर चौक, शहीद चौक होते हुए मेन रोड और सुजाता से तपोवन मंदिर पहुंची। काफी संख्या में हनुमान ध्वजा के साथ राम भक्त शोभायात्रा में चल रहे थे। तपोवन मंदिर में भगवान श्री राम के दर्शन पूजा -अर्चना कर लोग वापस लौट रहे थे। मंडल के अध्यक्ष जय सिंह यादव, मंत्री सुभाष साहू, कोषाध्यक्ष प्रमोद सारस्वत ने श्री राम भक्तों को रामनवमी महोत्सव की अपार सफलता, शोभायात्रा के सफल संचालन, अद्भुत अलौकिक झांकियां के लिए, अस्त्र-शस्त्र की प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए शोभायात्रा में शामिल झंडा धारियों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा, श्री रामनवमी महोत्सव की शोभायात्रा श्री राम भक्तों के सहयोग से निकाली जाने वाली ऐतिहासिक शोभायात्रा थी। फूलों की वर्षा और स्वागत शिविर लगाकर श्री राम के भक्तों की शोभायात्रा का स्वागत हुआ।

मंडल के अध्यक्ष ने कहा कि सुदूर इलाके से भारी संख्या में राम भक्तों ने पूरे उत्साह, उमंग के साथ शोभायात्रा में शामिल होकर ऐतिहासिक रामनवमी पर्व मनाया। शोभायात्रा के सफल संचालन के लिए रांची में 20 टोलियो का क्षेत्र अनुसार गठन कर करीब 1500 श्री राम भक्तों को सहभागी बनाया गया। शोभायात्रा में 20 लाख से भी अधिक राम भक्त बजरंगबली के झंडे के संग, गाजे बाजे एवं पारंपरिक हथियार के साथ शोभायात्रा में शामिल होकर श्री रामनवमी शोभा यात्रा को ऐतिहासिक बनाए। बढ़गई, मेडिकल चौक, एदलहातु, करमटोली, गाड़ीहोटवार, कोकर, लालपुर, थड़पकना, लोवाड़ीह, कांटा टोली, पत्थलकुदवा पुंदाग, अरगोड़ा, गाड़ी खाना, पुरानी रांची अपर बाजार धावनगर, कांके रोड, गांधीनगर, हातमा नामकुम, चुटिया, गुदड़ी, कर्बला चौक, हिंदी पीढ़ी, लेक रोड, मल्लाह टोली, भूतहातालाब समलोंग, चुटिया, शोभायात्रा संकट मोचन मंदिर मेन रोड होते हुए तपोवन पहुंची। 1000 से भी अधिक सेवा शिविर पूरे रास्ते शोभायात्रा के स्वागत में अपनी सेवा अर्पित कर रहे थे।

सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं के संग व्यापारिक संस्थाओं ने जगह-जगह श्री राम भक्तों को प्रसाद की सेवा, चना, बुंदिया, शुद्ध जल, शरबत, टॉफी, फ्रूटी, सहित फल की सेवा देने का पुनीत कार्य मे अपनी सहभागिता सुनिश्चित की। शोभा यात्रा में मुख्य रूप से श्री महावीर मंडल के अध्यक्ष जय सिंह यादव, उपाध्यक्ष पवन गुप्ता, राहुल कुमार सिन्हा चंकी, मंत्री सुभाष साहू, सह मंत्री उदय रविदास, बलिराम प्रसाद, संतोष गुप्ता, कोषाध्यक्ष प्रमोद सारस्वत, प्रचार मंत्री सुनील वर्मा, अशोक यादव, कमलेश यादव, सागर वर्मा सहित काफी संख्या में लोग थे। यह पर्व झारखंड भर में पूरे श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया। रामनवमी के दिन आज ही चैत्र नवरात्र की समाप्ति भी हो गई। ज्ञातव्य है कि हिंदू धर्म शास्त्रों के अनुसार इस दिन भगवान श्री राम जी का जन्म हुआ था। अतः इस शुभ तिथि को भक्त लोग रामनवमी के रूप में मनाते हैं एवं पवित्र नदियों में स्नान करके पुण्य के भागीदार होते है।

शार्ट सर्किट से रीजनल स्टोर में लगी आग

रामगढ़ः सीसीएल हजारीबाग एरिया की परेज स्थित रीजनल स्टोर में रविवार को टावर लाइट में अचानक शार्ट सर्किट हो गया। इस घटना में टावर लाइट से निकली चिंगारी से नीचे पड़े सूखे घास में आग लग गयी। भीषण गर्मी व चल रहे हवा के कारण आग तेजी से फैलते हुए पास में रखे पुराना टायर के टुकड़ों में आग लग गयी। इससे आग विकराल रूप में पकड़ लिया। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी ओपी प्रभारी दीपक कुमार को दी। प्रभारी ने तत्काल टाटा स्टील वेस्ट बोकारो डिवीजन से अग्निशामक वाहन को बुलाकर आग पर काबू पाया। पुलिस के त्वरित करवाई ने सीसीएल को भाड़ी नुकसान से बचा लिया। वहीं इस दौरान आग के चपेट में आने से कई सर्वे ऑफ वाहन बाल झ्र बाल बच गये। वहीं घटना को लेकर स्टोर का सुरक्षा प्रभारी रामा करमाली ने बताया कि के स्टोर के चहारदीवारी के अंदर में सड़क बनाने का काम चल रहा था। जिसके कारण आसपास के तमाम पुराने टायर के टुकड़े को एक जगह जमा किया गया था। इस घटना में सीसीएल को कोई खास नुकसान नहीं हुआ है।

राममय हुआ डोमचांच, निकाली गई एक से बढ़कर एक शोभा यात्रा

डोमचांचः प्रखंड अंतर्गत पुरनाडीह मे शोभा यात्रा निकाला गया। शोभा यात्रा का उद्घाटन जिप अध्यक्ष रामधन यादव, पुरनाडीह मुखिया पप्पू यादव व पुरनाडीह के पूर्व मुखिया ईश्वर उर्फ.मुंशी साव ने संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। भगवान राम की भक्ति, जय श्रीराम के नारे और शौर्य का प्रदर्शन, कुछ ऐसा ही विहंगम दृश्य रविवार को डोमचांच प्रखंड की बिभिन्न जगहों पर दिखा। मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम के जन्मोत्सव का महापर्व रामनवमी की शान से पूरा जिला में जय श्री राम के जयकारे से गूंज उठा। रामनवमी के भजनों से एक एक गली और चौक चौराहे गूंज रहा था। डंके की आवाज राम भक्तो का जोश बढ़ा रहा था। तो दूसरी तरफ बड़े बड़े महावीरी ध्वज थामे भक्तों की भीड़ जय श्री राम के जयकारे के साथ शौर्य का प्रदर्शन कर रहे थे। हर ओर महावीरी ध्वज ही लहरा रहे थे। रामभक्तो का यह जोश और उत्साह सालों बाद सड़कों पर फिर देखने को मिला। पारंपरिक अस्त्र शस्त्र के प्रदर्शन के साथ लाठियो का अद्भुत खेल दिखाते युवा खिलाड़ियों के जुनून को हिंदू संगठन के कार्यकर्ता उत्साह बढ़ा रहे थे। सुबह से ही हे बजरंगबली, दुखियों का दुखड़ा दूर , है करो, संकट मोचन कहलाओ तुम, है मयार्दा पुरुषोत्तम बोलो तुमने मयार्दा क्यों तोड़ दी, श्रीराम जानकी बैठे।। जैसे भजन और डंके की आवाज ने राम भक्तो की नींद तोड़ा। दिन में लाठियो के साथ पारंपरिक अस्त्र शस्त्रों के साथ खिलाड़ी अपना शक्ति प्रदर्शन दिखाने सड़क पर निकले। हर एक राम भक्त भगवान राम की भक्ति में डूबा दिखा। डोमचांच नगर श्री राम चौक पर भव्य राम आरती के साथ ग्रामीण इलाकों में पुरनाडीह, फुलवरिया, नवादा, धरगांव, खरखार, बिगहा, रायडीह, मसमोहना, जेरुआडीह, नावाडीह, मसनोडीह, पचगावां, काराखुट, बगड़ो, बगरिडीह, नवलशाही समेत अन्य जगहों पर शौर्य पराक्रम का प्रदर्शन भी हुआ।

हर्षोल्लास व धूमधाम से मनी रामनवमी

लोहरदगाः जिले में रामनवमी का त्योहार हर्षोल्लास व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। केंद्रीय महावीर मंडल के नेतृत्व में जुलूस निर्धारित समय पर निकल गया। जहां बाजा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महावीरी झंडा से पूरा शहर पटा नजर आ रहा था। जुलूस में शामिल महिलाएं पारंपरिक हथियार के साथ चल रही थी। रामनवमी मेला शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो, इसके लिए पुलिस प्रशासन ने व्यापक व्यवस्था किया था। शहरी क्षेत्र के विभिन्न चौक चौराहा में पुलिस बल की तैनाती की गयी थी। मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में जवानों को मुस्तैद रखा गया था। पुलिस बल की तैनाती में महिला पुलिस कर्मियों को भी रखा गया था। मजिस्ट्रेट ड्यूटी स्थल पर तैनात थे। मेला को देखते हुए शहरी क्षेत्र में बड़े वाहनों का प्रवेश बंद कर दिया गया था। विभिन्न चौक चौराहों के पास ब्रैकेटिंग कर दिया गया था, ताकि बड़े वाहन का प्रवेश शहर में ना हो। रामनवमी जुलूस में केंद्रीय महावीर मंडल के पदाधिकारी के साथ-साथ नियुक्त वॉलिंटियर्स जुलूस का नेतृत्व कर रहे थे।

बोकारो में जयराम महतो का विरोध

बीएसएल के बाद अब जगरनाथ महतो की पुण्यतिथि में जाने से रोका

बोकारो : जिले में विधायक जयराम महतो का विरोध शुरू हो गया है। बोकारो स्टील प्लांट में विस्थापितों के आंदोलन के बाद अब जगरनाथ महतो की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में जाने से भी उन्हें रोक दिया गया। 3 दिन में यह दूसरा मौका है, जब जयराम महतो का विरोध हुआ है। डुमरी विधायक और झारखंड के पूर्व मंत्री स्व जगरनाथ महतो की दूसरी पुण्यतिथि रविवार 6 अप्रैल 2025 को को चंद्रपुरा प्रखंड के सिंगारी मोड़ स्थित बीएड कॉलेज मैदान में मनायी जा रही थी। समारोह में शामिल होने के लिए जयराम महतो भी पहुंचे, लेकिन जगरनाथ महतो के समर्थकों ने डुमरी विधायक को बीएड कॉलेज गेट पर ही रोक दिया। कहा, आप कल आइये, अभी कार्यक्रम 5 दिन तक चलेगा। इसके बाद विधायक लौट गये।

झारखंड टाइगर जगरनाथ महतो की पुण्यतिथि में शामिल हुए बड़े नेताः झारखंड टाइगर जगरनाथ महतो की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में झारखंड

सरकार के मंत्री योगेंद्र प्रसाद महतो और सुदिव्य कुमार सोनू, झामुमो विधायक मथुरा प्रसाद महतो, कांग्रेस विधायक कुमार जयमंगल, पूर्व मंत्री बेबी देवी और जलेश्वर महतो, कांग्रेस नेता अनुपमा सिंह समेत कई लोग पहुंचे। समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित करके झारखंड टाइगर को श्रद्धांजलि दी। डुमरी, नावाडीह, चंद्रपुरा, बेरमो व अन्य प्रखंडों से काफी संख्या में लोग पहुंचे थे। कई क्षेत्रों से लोग जुलूस की शक्ल में पहुंचे।

जगरनाथ महतो ने 60 हजार पारा शिक्षकों के सिर पर छतरी लगायीः सुदिव्य कुमार श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि स्व जगरनाथ महतो जननेता थे। उनके कार्य हम सभी के लिए प्रेरणादायक रहेंगे। उनके संघर्षों को कभी भुलाया नहीं जा सकता। मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि स्व जगरनाथ महतो पार्टी की सबसे मजबूत आवाज थे। उनके पुत्र अखिलेश महतो को विधानसभा पहुंचाने का संकल्प लें। जगरनाथ महतो ने 60 हजार पारा शिक्षकों के सिर पर छतरी लगायी। 80 हजार रसोइया और आंगनबाड़ी केंद्र की सेविकाओं-सहायिकाओं के मामलों का समाधान कराया था।

1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति के हिमायती थे जगरनाथ महतोः मथुरा प्रसाद टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि स्व जगरनाथ महतो 1932 के खतियान पर आधारित स्थानीय नीति के हिमायती रहे। उनके अधूरे सपनों को पूरा करने की शपथ लें। उन्होंने कहा कि दुख की बात है कि नौजवान दिग्भ्रमित हो रहे हैं।

कुमार जयमंगल बोले- एक सोच थे स्व जगरनाथ महतो : बेरमो विधायक कुमार जयमंगल ने कहा कि स्व जगरनाथ महतो एक नाम नहीं, एक सोच थे। डुमरी की जनता के लिए उन्होंने बहुत काम किया। जिस नावाडीह-चंद्रपुरा के लिए दिन-रात लगे रहते थे, वहीं पूर्व मंत्री पिछड़ गयीं। अपने लोग विश्वासघात करते हैं, तो सबसे अधिक तकलीफ होती है। स्व जगरनाथ महतो के काम को याद दिलायें और 4 साल बाद अखिलेश महतो को विधानसभा भेजें। बेरमो में भी कुमार जयमंगल को वोट जगरनाथ महतो के परिवार की बदौलत मिलता है।

संघर्ष का दूसरा नाम थे जगरनाथ महतोः जलेश्वर महतो जलेश्वर महतो ने कहा कि जगरनाथ महतो संघर्ष का दूसरा नाम थे। उनके अधूरे सपनों को पूरा करने का संकल्प लें। अनुपमा सिंह ने कहा कि डुमरी स्व जगरनाथ महतो जी का है। वर्ष 2029 में एक बार फिर इस सीट पर झामुमो को जिताना ही, स्व महतो को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। डुमरी का विकास थम-सा गया है।

ओड़िसा की हस्त-निर्मित कलाकृतियां बनी आकर्षण का केंद्र

बोकारो : जगन्नाथ मंदिर सेक्टर चार के गीता भवन में आयोजित दस दिवसीय हस्तशिल्प प्रदर्शनी उत्कालिका बोकारोवासियों के आकर्षण का केंद्र बनी है। प्रदर्शन में श्रीराम की आकृति और राम नाम की कढ़ाई वाले आकर्षक पूजा बैग्स, चांदी के डिजाइनर गहने, कुर्ती-शर्ट-सूट, सिंगल और डबल बेडशीट व घर की सजावट के आकर्षक समान व भगवान जगन्नाथ की फ्रेमिंग तसवीर के अलावा और भी बहुत कुछ है, जो हस्तनिर्मित है। प्रदर्शनी का अवलोकन बोकारोवासी 10 अप्रैल तक सुबह दस बजे से रात नौ बजे तक कर सकते हैं। 01 अप्रैल उत्कल दिवस पर जगन्नाथ मंदिर सेक्टर चार के गीता भवन में प्रदर्शनी लगी हुई है। हस्त-निर्मित वस्त्र व विभिन्न हस्त-निर्मित कलाकृतियां प्रदर्शित व विक्रय : उत्कल दिवस अवसर पर ओड़िसा स्टेट को-ऑपरेटिव हैंडीक्रॉफ्ट कॉरपोरशन लिमिटेड की ओर से दस दिवसीय हस्तशिल्प प्रदर्शनी उत्कालिका का आयोजन जगन्नाथ मंदिर सेक्टर चार के गीता भवन में किया गया है। इसमें हस्त-निर्मित वस्त्र व विभिन्न हस्त-निर्मित कलाकृतियां प्रदर्शित व विक्रय हो रही है। यहां श्रीराम की आकृति और राम नाम की कढ़ाई वाले आकर्षक पूजा बैग्स बिक रहा है। बैग्स देखने में बहुत सुंदर और यूनिक हैं। मिहिर कुमार लेंका ने बताया : प्रदर्शनी में प्रतिदिन दर्जनों बोकारोवासी पहुंच रहे हैं।

गाजे-बाजे के साथ निकला जुलूस, अखाड़ा दलों ने दिखाये करतब

धनबादः जय श्रीराम, जय वीर हनुमान के जयकारों से रविवार को दिन भर पूरा धनबाद गूंजता रहा। रामनवमी के अवसर पर आज निकले अखाड़ा जुलूस के दौरान लोगों में भक्ति के जबरदस्त उत्साह भी देखने को मिला। शहर के हर चौक-चौराहों से लेकर मुख्य सड़कों तक अखाड़ा दलों के सदस्यों के अलावा राम भक्तों की भीड़ दिखी। हीरापुर हरि मंदिर समेत अन्य जगहों पर आयोजित मुख्य अखाड़ा में जुलूस की शक्ल में विभिन्न दलों के सदस्य पहुंचे। विधिवत पूजा-अर्चना के बाद श्रीराम व हनुमान जी का पताका फहराने कर समारोह की शुरूआत की गयी। अखाड़ा दल के सदस्यों ने एक से बढ़कर एक हैरतअंगेज करतब दिखाना शुरू किया। इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में राम भक्त शहर में आयोजित अखाड़ा में पहुंचे। विभिन्न अखाड़ा दलों की ओर से अलग-अलग बैंड़, तासा आदि की व्यवस्था की गयी थी। विभिन्न जगहों पर आयोजित समारोह में जन प्रतिनिधियों ने भी

शामिल होकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।

हीरापुर हरि मंदिर : हीरापुर हरि मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में एक दर्जन से ज्यादा अखाड़ा दलों ने पहुंचकर करतब दिखाया। हीरापुर व्यवसायिक समिति की ओर से मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया था। हरि मंदिर के बीचोबीच अखाड़ा खेलने के लिए विशाल स्टेज बनाया गया था। यहां विभिन्न दलों के खिलाड़ियों ने एक से बढ़कर एक करतब का प्रदर्शन किया। इससे पूर्व हीरापुर हटिया स्थित महावीर मंदिर में बजरंगबली का पताका चढ़ाकर ढ़ोल-नगाड़ों के साथ जुलूस निकाला गया जो हरि मंदिर परिसर पहुंचा। यहां विभिन्न झांकियां निकाली गई। खिलाड़ियों ने तलवारबाजी की। लाठी भांज सहित विभिन्न करतब दिखाये।

पुलिस लाइन : पुलिस लाइन के पास मुख्य सड़क पर प्रताप क्लब एवं हनुमान अखाड़ा समिति प्रेम नगर की ओर से आयोजित कार्यक्रम में आस-पास के विभिन्न दलों के खिलाड़ी शामिल हुए। पुलिस लाइन मेन गेट के पास सड़क के दूसरी ओर अखाड़ा खेलने के लिए दो समितियों की ओर से स्टेज बनाये गये थे। यहां, प्रताप अखाड़ा दल व हनुमान अखाड़ा समिति प्रेम नगर के खिलाड़ियों के साथ आये विभिन्न दलों के खिलाड़ियों ने एक से बढ़कर एक करतब दिखाये। बड़ी संख्या में राम भक्त अखाड़ा देखने को पहुंचे। पुलिस लाइन में आयोजित अखाड़ा स्टेज को आकर्षक तरीके से सजाया गया था। रामनवमी के मौके पर विशेष विद्युत सज्जा की गयी थी।

बाबूडीह : अटल अभियान चीते की ओर से रामनवमी के अवसर पर बाबूडीह से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इससे पूर्व बाबूडीह स्थित जिला स्कूल प्रांगण में अखाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में धनबाद विधायक राज सिन्हा, पूर्व झरिया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह, देव सेना के कुंभनाथ सिंह, पूर्व पार्षद अशोक पाल समेत अन्य शामिल हुए। अतिथियों ने भी विभिन्न करतब में हाथ आजमाया और खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। यहां समिति की ओर से निकाली गयी झांकी राम भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र रही। बाबूडीह स्थित मनोकामना सिद्ध हनुमान मंदिर की ओर से भी शोभायात्रा निकाली गयी। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु इसमें शामिल हुए।

बरटांड़ : युवा अंबेडकर क्लब के तत्वावधान में नवयुवक अखाड़ा दल की ओर से समारोह का आयोजन किया गया। अखाड़ा दल के खिलाड़ियों ने एक से बढ़कर एक करतब का प्रदर्शन किया। यहां विधिवत रूप से पूजा अर्चना के बाद समारोह की शुरूआत की गयी। पारंपरिक पगड़ी में अखाड़ा दल के खिलाड़ियों ने तलवारबाजी, भाला, सामूहिक व एकल लाठी भांज समेत अन्य करतब दिखाये। मौके पर वकील दास, गोविंदा हरिजन, कार्तिक, जीवन दास, रवि शंकर, विजय दास, अजय कुमार, रवि कुमार, अंकुश दास, अजीत दास, रवि राज, गुंजन दास समेत अन्य मौजूद थे।

युवाओं में दिखा उत्साह, युवतियों ने भी दिखाये जौहरः इस साल रामनवमी के अवसर पर युवाओं में भी उमंग और उत्साह दिखा। युवाओं के साथ इस साल युवतियों ने भी जमकर अखाड़ा में कला का प्रदर्शन किया। हरि मंदिर, पुलिस लाइन में युवतियों ने आयोजित अखाड़ा में अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन करते हुए दिखाया कि युवतियां भी किसी से कम नहीं हैं।

जमीन दिलाने के नाम पर मृत आरक्षी की पत्नी से 70 लाख की ठगी

मेट्रो रेज

रांची : तुपुदाना के देवगाई गांव की निवासी सुमी लिंडा ने एक व्यक्ति पर 70 लाख 41 हजार 630 रुपये की ठगी का आरोप लगाया है। महिला ने तुपुदाना ओपी में अपनी शिकायत दर्ज कराई है। प्राथमिकी में उन्होंने बताया कि उनके पति सुरेंद्र लिंडा खरसावां जिले में आरक्षी पद पर कार्यरत थे, जिनका निधन 2020 में बीमारी के कारण हुआ। सुमी अपनी बेटी के साथ देवगाई में रहती हैं। सुमी की ननद रोशिमा केरकेट्टा के घर उनका आना-जाना था, जहां उनकी मुलाकात गोपाल लोहरा से हुई। गोपाल ने खुद को जमीन का कारोबारी बताया। सुमी के मुताबिक, उन्होंने अपनी बेटी के लिए तुपुदाना रिंग रोड के पास जमीन खरीदने की इच्छा जाहिर की। गोपाल ने भरोसा दिलाया कि वह उन्हें जमीन दिलवा देगा। मई 2023 में गोपाल उनके घर आया और पैसे की मांग करने लगा।

सुमी ने अपने पासबुक और पति के डेथ इंश्योरेंस (एमआईसी) दस्तावेज गोपाल को दिखाए। इसके बाद, सितंबर 2023 से 2024 तक, सुमी ने नगद, चेक और महिला समिति से पैसे जुटाकर गोपाल को कुल 46 लाख 81 हजार 961 रुपये दिए। इसके अलावा, गोपाल ने सुमी के पति के डेथ इंश्योरेंस का 23 लाख 60 हजार 540 रुपये भी धोखाधड़ी से निकाल लिया। इस प्रकार कुल मिलाकर 70 लाख 41 हजार 630 रुपये की ठगी की गई। सुमी ने यह भी बताया कि वर्ष 2023 में गोपाल ने उनके घर से एक कार और एक मोटरसाइकिल भी चुरा ली। जब सुमी ने बार-बार गोपाल से संपर्क किया, तो वह हर बार टालमटोल करता रहा और कहता था कि यदि जमीन नहीं मिल पाई तो वह पैसे, कार और मोटरसाइकिल वापस कर देगा। सुमी अपने परिवार के साथ गोपाल के घर भी गई, लेकिन वह वहां नहीं मिला और कार व मोटरसाइकिल भी नहीं मिली।

रांची के दो छात्रों की हिमाचल में मौत

मेट्रो रेज

रांचीः रातू के झखरा टांड़ और सुखदेव नगर के अलकापुरी में रामनवमी की खुशी मातम में बदल गयी। यहां रहने वाले दो होनहार छात्र हिमाचल प्रदेश की लाहौल स्पिति में शिशुकोस्कर नदी की तेज धार में बह गये। दोनों छात्र अमर कुमार और कुमार समर्थ प्लस टू में कॉमर्स के छात्र थे और उनके बीच गहरी दोस्ती थी। इधर हिमाचल के केलांग थाना की पुलिस ने अमर का शव बरामद कर लिया, वहीं समर्थ के शव की तलाश जारी है।

दो भाइयों में बड़ा था अमर : अमर कुमार झखरा टांड़ के संजय साहू और कुमार समर्थ सुखदेवनगर अलकापुरी रोड नंबर-1 निवासी विनय कुमार शर्मा का पुत्र था। अमर दो भाइयों में बड़ा था। घटना की सूचना पाकर पिता समेत मां मुन्नी देवी व परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। दोनों तीन अप्रैल को घर से मनाली के लिए गये थे। इधर, पीड़ित परिवार के लोग हिमाचल के लिए रवाना हो गये हैं।

रुकने का नाम नहीं ले रहा अवैध बालू का कारोबार

-पुलिस प्रशासन के संरक्षण में फल फूल रहा करोड़ों का अवैध कारोबार

मेट्रो रेज

सिल्लीः सिल्ली थाना क्षेत्र में अवैध बालू का कारोबार रुकने का नाम नहीं ले रहा है । थाना क्षेत्र के राढू नदी का श्यामनगर, झाबरी एंव जयनगर हजाम बालू घाट से रोजाना 60-70 हाइवा बालू राजधानी रांची एंव आसपास भेजा जा रहा है। सूत्रों की मानें तो शाम ढलते ही चौधरी, विदेशी, मनोज एंव मुरली कोइरी नामक बालू माफिया पोकलेन, जेसीबी मशीन,और ट्रैक्टर लेकर नदी से बालू की निकासी उतर जाते है। ग्रामीणों की मानें तो बालू माफियाओं द्वारा रात भर बालू की ढुलाई होती है जिससे वे सो भी नही पाते है। ग्रामीणों कहते है निचे से लेकर ऊपर पुलिस प्रशासन, विभिन्न राजनीतिक पार्टी के जनप्रतिनिधि कोई अछूता नही है सभी मिले हुए है सबका हर ट्रिप रेट फिक्स है नेता अवैध कारोबार का हिस्सा पाने के लिए लोगों को केवल गुमराह करते है

पहले ट्रिप पर 20,500 था अब 22,000 : सूत्रो से पता चला है कि गोंदुलीपोखर मिलन चौक में एक कार्यालय जहां लोड में जाने से पहले पहला ट्रिप के लिए 20500 जमा करना पड़ता था लेकिन अब बीते सप्ताह से 22,000 हजार जमा करना पड़ता है। चर्चा है संभवत इसमें कोई नया जनप्रतिनिधि जुड़ा होगा.। वही दूसरे ट्रिप में टूटकी नवाडीह से लेकर पहाड़माझ बंता के बीच पुलिस जीप या फिर स्कॉर्पियो लगी रहती है जहां हरेक हाइवा से 8000 नगद लिया जाता है। पैसों की भूख के आगे कोई विरोध करने का साहस नहीं कर पाता। विरोध करने पर झूठा मुकदमा या फिर व्यक्तिगत नुकसान पहुंचाया जा सकता हैं। मालूम हो कि बीते दिन उपायुक्त रांची के निर्देश पर एसडीओ और जिला खनन पदाधिकारी रांची अवैध बालू के खिलाफ छापामारी करने सिल्ली आये थे और झाबरी पेट्रोल पम्प के समीप जांच के दौरान टीम पर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया गया था, लेकिन इसमें पुलिस प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं किया।

पुलिस प्रशासन नहीं चाहता टेंडर वाला हो घाट चालू : गौरतलब है कि झारखंड राज्य खनिज विकास निगम लिमिटेड ने सिल्ली में 3 बालू घाट सुंडील, चौकेसेरेंग और श्यामनगर का टेंडर दिया है लेकिन चौकेसेरेंग और श्यामनगर बालू घाट में ग्रामीणों के विरोध पर बालू का उठाव नहीं हो रहा। इसके बावजूद सिल्ली से रोजाना 60-70 हाइवा बालू रांची जा रहा है इसे साफ समझा जा सकता है की जिम्मेदार लोग नहीं चाहते हैं कि सरकार के पास राजस्व जाये जिसे गरीबों का विकास कार्य हो इन्हें सिर्फ अपना पॉकेट भरना है।

रांची के निजी स्कूलों को फीस कमेटी बनाने का उपायुक्त ने दिया आदेश

रांचीः निजी स्कूलों में फीस बढ़ोतरी के मामले को लेकर रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने सभी निजी स्कूलों के प्राचार्यो को पत्र लिखा है। डीसी ने प्राचार्यों को पत्र लिखकर स्कूल के स्तर पर फीस कमेटी एवं अभिभावक संघ का गठन करने को कहा है। स्कूल प्रबंधन द्वारा मानोनीत प्रतिनिधि ही फीस कमेटी के अध्यक्ष होंगे।

फीस कमेटी में प्राचार्य, स्कूला प्रबंधन द्वारा मनोनीत तीन टीचर और अभिभावक शिक्षक संघ द्वारा नामित चार अभिभावक इसके सदस्य होंगे। स्कूलों को एक हफ्ते के अंदर कमेटी का गठन कर इसकी जानकारी डीसी कार्यालय को देने को कहा गया है। फीस को लेकर कमेटी गठन के लिए इससे पहले स्कूली शिक्षा शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव ने इस संबंध में सभी जिलों के उपायुक्त को पत्र लिखा था। जिसमें स्कूल के स्तर पर फीस कमेटी गठन कर इसकी रिपोर्ट विभाग को देने का निर्देश दिया गया था।

महावीर झंडा स्थल के पास मिला प्रतिबंधित मांस, फैली सनसनी, जांच में जुटी पुलिस

मेट्रो रेज

जमशेदपुरः जिले के धालभूमगढ़ थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह हनुमान वाटिका मंदिर से लगभग 100 मीटर की दूरी पर महावीर झंडा स्थल के पास प्रतिबंधित मांस का टुकड़ा मिलने से सनसनी फैल गई। इसके साथ ही कई महावीर झंडे भी गायब पाए गए। घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया और बड़ी संख्या में लोग एकत्र होकर विरोध प्रदर्शन करने लगे। ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि यह कोई पहली घटना नहीं है, बल्कि एक वर्ष पूर्व भी हनुमान वाटिका मंदिर के पास इसी तरह से मांस का टुकड़ा फेंका गया था। इसके बाद मंदिर के चारों ओर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे, लेकिन उनकी रेंज मात्र 100 मीटर तक ही है। संभवतः इसी कारण असामाजिक तत्वों ने मंदिर से थोड़ी दूर सड़क किनारे लगे महावीर झंडे के पास मांस का टुकड़ा फेंका। घटना की सूचना मिलते ही पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। देखते ही देखते यह खबर पूरे इलाके में फैल गई, जिससे स्थानीय दुकानदारों ने अपनी दुकानें बंद कर दीं और बाजार भी बंद हो गया। हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे।

घटना की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी मो. अमीर हमजा तत्काल मांस के टुकड़े को जब्त कर थाना ले गए। अंचलाधिकारी समीर कच्छप भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। गुस्साए ग्रामीणों का कहना है कि पिछले वर्ष की घटना की जांच रिपोर्ट अभी तक नहीं आई है और न ही किसी दोषी की गिरफ्तारी हुई है। यह प्रशासन की घोर लापरवाही को दशार्ता है, जिससे असामाजिक तत्वों को और अधिक बढ़ावा मिल रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द इस घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, अन्यथा आंदोलन और तेज किया जाएगा।

रामनवमी पर विभिन्न स्वागत शिविरों में शामिल हुए सुनील सिंह,कहा-

प्रभु श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में करें आत्मसात

मेट्रो रेज

रांचीः रामनवमी महोत्सव पूरे देश में बड़े हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस महोत्सव के पावन अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश मीडिया प्रभारी सह राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने रामनवमी जन्मोत्सव के पावन अवसर पर रविवार को रातू रोड गायत्री मंदिर, नयाटोली स्थित बुढ़वा महादेव मंदिर, दलादली चौक दुर्गा पूजा समिति द्वारा आयोजित स्वागत शिविर, महादेव टंगरा रामनवमी पूजा समिति द्वारा आयोजित स्वागत शिविर, पटेल चौक, हरमू स्थित वाल्मीकि रामनवमी पूजा समिति द्वारा आयोजित राम जन्मोत्सव कार्यक्रम सहित विभिन्न पूजा समिति द्वारा आयोजित स्वागत शिविरों में शामिल हुए। जहां समिति के सदस्यों द्वारा उन्हें सम्मान व स्वागत किया गया। इस मौके पर सुनील कुमार सिंह ने समिति के सदस्यों द्वारा किए गए भव्य आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस उत्सव के मौके पर श्री सिंह ने सर्वप्रथम अपने आवास रातू थाना अंतर्गत रिंग रोड, सिमलिया, नयाटोली में वीर बजरंगबली का झंडा लगाया, तथा पूरे विधिझ्र विधान से पूजाझ्र अर्चना कर अपने घर परिवार, क्षेत्र, राज्य व राष्ट्र की उन्नति, सुखझ्र शांति और खुशहाली के लिए कामना की। इस मौके पर उन्होंने सभी सनातनप्रेमियों को रामनवमी महापर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी रामनवमी के इस पावन अवसर पर आस्था के समागम का हिस्सा बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। भगवान श्री राम आप सभी राष्ट्रवादी सनातनी भाइयों को मनोकामनाएं पूरी करें, यही मंगल कामना करते हैं। उन्होंने कहा कि श्रद्धा, भक्ति, उमंग, उत्साह और खुशी के साथ यह पर्व मनाते आ रहे हैं, यह भगवान प्रभु श्री राम के प्रति आस्था का परिचायक है। हम मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें, रामनवमी महोत्सव यही संदेश देता है।

नारी सेना की शोभायात्रा को विभिन्न संस्थाओं ने किया सम्मानित

रांचीः रामनवमी के शुभ अवसर नारी सेना महावीर मंडल के तत्वावधान में अध्यक्ष पूनम सिंह के नेतृत्व रामनवमी शोभा यात्रा केशव नगर पहाड़ी टोला से ओवरब्रीज निवारणपुर राम मंदिर तक निकली और पूजा अर्चना के बाद समापन हुई। समाजसेविका यशस्विनी सहाय ने सेना की महिलाओं को सम्मानित कर विदा किया। शोभा यात्रा के दौरान विभिन्न स्वागत शिविर ने नारी सेना के महिलाओं को पगड़ी,अंगवस्त्र, मोमेंटोज एवं तलवार भेंटकर स्वागत किया।

लायंस क्लब ऑफ रांची हरिकनक ग्रेटर के राजेश केडिया,अंकित सर्राफ, विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच के संतोष कुमार श्रेयांश,रवींद्र शर्मा, सुभाष कुमार,शोभा देवी, शकुंतला,पिंकी देवी,विजन आरोग्यम के राजीव रंजन मिश्रा, वीणाश्री,छात्र क्लब ग्रुप के विजय कुमार पाठक,कुमारी अनिता,कुमारी नीलम,रांची मोटर डीलर एसोसिएशन के ललित चौधरी,चौधरी सेवा संघ के मनोज चौधरी,हरिशंकर चौधरी,उदय चौधरी, लकी एजुकेशनल एवं चेरी टेबल ट्रस्ट के संस्थापक गौतम कुमार साहू दीपक कुमार साहू,शिवा लिंगम मानव सेवा संस्थान के ट्रस्टी एवं समाजसेवी काशीनाथ शहदेव, कन्हाई प्रसाद साहू देवंती देवी,चंद्रावती सह कांति कृष्णा फाउंडेशन के ऋषिकेश लाल,प्रसिद्ध नारायण मिश्रा, ऋषिका कुमारी,अभिज्ञान कुमार, कपिल फाउंडेशन के गगन कुमार,वीनू शर्मा,संजय शर्मा रेखा देवी,गिरियांचल क्लब चूना भट्ठा, झारखंड तंजीम, इमाम बक्स अखाड़ा, सेंट्रल मुहर्रम कमिटी आदि आदि संस्था ने स्वागत किया। शोभा यात्रा में सेना की सैकड़ों महिलाओं ने तलवार लाठी भांजने,डंका खुब बजाई और अपना करतब दिखाई। इस महोत्सव को सफल बनाने में मुख्य रूप से सेना के अध्यक्ष पूनम सिंह,मुख्य संयोजक सागर वर्मा,मुख्य सलाहकार सूरज सिंह भवानी, संगठन मंत्री शिव किशोर शर्मा सहित नीरज कुमार जायसवाल, कमला विश्वकर्मा, कामिनी सिंह, अनुपमा सिंह,मनीषा झा, दीपमाला जायसवाल, किरण मेहता,रेखा सिंह,रानी राणा,ममता कुमारी, सोनी कुमारी,प्रिया कुमारी, शुभम,चौधरी राज सिंह,चंदन कुमार, रवि रंजन, रौशन चौधरी,

आदि आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अध्यक्ष पूनम सिंह एवं संगठन मंत्री शिव किशोर शर्मा ने सेना के झांकी को स्वागत करने वाले सभी स्वागत शिविर एवं शांति पूर्ण रामनवमी पूजा समापन के लिए जिला प्रशासन के प्रति आभार जताई।

भारतीय एकता कमेटी ने राम भक्तों को किया सम्मानित

रांचीः हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी रामनवमी के अवसर पर सामाजिक संस्था भारतीय एकता कमेटी के संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने मुख्य कार्यालय कर्बला टैंक रोड रांची में स्वागत शिविर लगाकर राम भक्तों को माला पहना कर व पगड़ी बांधकर सम्मानित किया। इस शुभ अवसर पर गुलाम मुस्तफा ने कहा के सभी धर्म समुदाय का एकता भाईचारा ही हमारे देश की सबसे बड़ी खूबसूरती है और हम लोगों कि यह मोहब्बत, प्यार, अमन व शांति हमेशा कायम रहनी चाहिए । नीचे बाजार गुजरी महावीर मंडल के अध्यक्ष दयानंद प्रसाद और आदर्श मंडल के अध्यक्ष राजेश राम और शोभा समिति ने भारतीय एकता कमेटी के सामाजिक कार्य की बहुत सराहना की। इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा और सचिव रामेश्वर राम को चुनरी ओढ़ाकर और माला पहना कर सम्मानित भी किया । स्वागत शिविर में चना, शरबत तरबूज, माला, चुनरी और गुलाब की पंखुड़ियां से भी स्वागत किया गया। इस शुभ अवसर पर दयानंद प्रसाद गुप्ता नंदू भाई, जेपी गुप्ता, गोपाल प्रसाद, बंटी कुमार, राजेश राम, अमित अग्रवाल, मोहम्मद एनाम उर्फ गुड्डू, बुलंद अख्तर, मोहम्मद सितारे, मोहम्मद अशरफ, मोहम्मद यूनुस, राजकुमार राम, मनोज राम, किशोर राम, राजू राम और कई लोग उपस्थित थे।

रामनवमी पर झारखंड तंजीम ने लगाया स्वागत शिविर

रांचीः रामनवमी के पावन अवसर पर झारखंड तंजीम की ओर से एक स्वागत शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर चर्च कॉम्प्लेक्स के सामने लगाया गया था। इस अवसर पर झारखंड तंजीम के केंद्रीय अध्यक्ष एवं झारखंड अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम ने झारखंडवासियों को रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह पर्व मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों पर चलने की प्रेरणा देता है और समाज में आपसी सौहार्द और भाईचारे को मजबूत करता है। श्रद्धालुओं के लिए शिविर में ठंडा पानी, चना और शरबत की व्यवस्था की गई थी, ताकि वे सहज रूप से पर्व का आनंद ले सकें। इस कार्यक्रम में झारखंड तंजीम के अन्य प्रमुख सदस्य जैसे महबूब आलम, समीम गद्दी, मंजर मुजीबी, अब्दुल रहमान सहित कई अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे, जिन्होंने मिलकर आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया। यह आयोजन आपसी एकता और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक बना।

हर्षोल्लास के साथ चैती दुर्गा पूजा संपन्न, उमड़े श्रद्धालु, विसर्जन आज

गिरिराज सेना प्रमुख उमा शंकर गिरी का शंखनाद रहा आकर्षण का केंद्र

मेट्रो रेज

रांचीः चैती दुर्गा पूजा स्थानीय पंडित हाता स्थित अवस्थित शिव मंदिर प्रांगण में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इसी क्रम में नवमी के दिन मां दुर्गा की विशेष पूजा अर्चना की गई। इस अवसर पर भक्तजनों तथा श्रद्धालुओं भीड़ उमड़ पड़ी। ढोल, डमरु एवं घंटियो की गूंज से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर गिरिराज सेना प्रमुख उमा शंकर गिरी द्वारा किया गया शंखनाद देखते ही बना। नवमी के दिन मां दुर्गा की पूजा, अर्चना और आरती के समय उमड़े जन सैलाब से एवं मां दुर्गा के जयकारे से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। दूर दराज से आए लोगों ने भी मां के दर्शन किए और मां की आरती में शामिल हुए। तत्पश्चात प्रसाद और भोग का व्यापक रूप से वितरण भी किया गया। गौरतलब हो कि स्थानीय पंडित हाता में चैती मां दुर्गा की प्रतिमा विगत कई वर्षों से स्थापित होती आ रही है। इस स्थल पर मां दुर्गा की प्रतिमा काफी अलौकिक और काफी दर्शनीय रहती है। मूर्तिकार द्वारा निर्मित मां दुर्गा की भव्य और आकर्षक प्रतिमा देखते ही बनती है। आज विजयदशमी के दिन मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन होगा। वहीं गिरिराज सेना के प्रमुख उमाशंकर गिरी ने पंडित तथा स्थित चैती मां दुर्गा पूजा के सफल आयोजन और बेहतर व्यवस्था के लिए पूरे गिरिराज सेना के पदाधिकारी और सदस्यों को इसके लिए बधाई और शुभकामनाएं दी है। वहीं शहर वासियों का भी उन्होंने आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि, चैती मां दुर्गा पूजा के सफल आयोजन में उपस्थित होकर भोग प्रसाद ग्रहण करने और गिरीराज सेना के उत्साह वर्धन करने का परिणाम है कि, आज गिरीराज सेना पूरे उत्साह उमंग और ऊर्जा के साथ प्रतिवर्ष चैती मां दुर्गा पूजा का सफल आयोजन करते आ रहा है।

सुविचार

मेहनत करने से दरिद्रता नहीं रहती, धर्म करने से पाप नहीं रहता, मौन रहने से कलह नहीं होता।

कांग्रेस में कलह

कर्नाटक में सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम व कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार के बीच का विवाद अभी भी जारी है, जो पार्टी के लिए सही नहीं है। इन दोनों नेताओं के बीच कलह की बात वक्त-वक्त पर सामने आती रही है और शीर्ष नेतृत्व अभी तक इसे सुलझाने में नाकाम रहा है। सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार का टकराव वर्चस्व की लड़ाई है। दोनों नेता राज्य संगठन पर अपनी पकड़ मजबूत करना चाहते हैं। ऐसा ही कुछ राजस्थान में भी देखने को मिला था, जहां आखिरकार पार्टी को सत्ता गंवानी पड़ी। बिल्कुल वही सब अब कर्नाटक में हो रहा है। यह बिल्कुल अप्रत्याशित स्थिति है, जहां सीएम और उनके मंत्री चाहते हैं कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अपने पद से इस्तीफा दे दें। जब इस तरह साफ-साफ दो गुट बन गए जाएं, तो न संगठन ठीक से चल सकता है और न सरकार। कांग्रेस की इस समय केवल तीन राज्यों में सरकार है - कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश। झारखंड और जम्मू-कश्मीर में वह सरकार का हिस्सा जरूर है, लेकिन जूनियर पार्टनर के रूप में। जहां पार्टी की अपनी सरकार है, वहां भी सब ठीक नहीं लग रहा। कर्नाटक की कहानी तो चल ही रही है, तेलंगाना और हिमाचल से भी गुटबाजी की खबरें आती रही हैं। हिमाचल में राज्यसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के नौ विधायकों ने क्रॉस वोटिंग कर दी थी और पार्टी के उम्मीदवार को हार मिली थी। लोकसभा चुनाव में जब कांग्रेस ने 99 सीटें जीतीं, तो लगा कि पार्टी वापसी की राह पर है। लेकिन, एक के बाद एक विधानसभा चुनावों में हार ने उसे फिर बेपटरी कर दिया। उसने लोकसभा चुनाव से जो भी बढ़त कमाई थी, वह हरियाणा और महाराष्ट्र में मिली हार में खर्च हो गई। और इसके पीछे वजह रही गुटबाजी। दोनों राज्यों में स्पष्ट तौर पर पूरा संगठन बंटा नजर आ रहा था, पर केंद्रीय नेतृत्व सही वक्त पर कठोर फैसले लेने में नाकाम रहा। कांग्रेस के अंदर कलह का असर विपक्ष के बाकी दलों के साथ उसके रिश्तों और इंडिया ब्लॉक में उसकी स्थिति पर भी पड़ रहा है। यूपी उपचुनाव और दिल्ली विधानसभा इलेक्शन, कहीं भी साथी दलों ने कांग्रेस को भाव नहीं दिया। यही हालात बिहार में भी दिख रहे हैं, जहां इसी साल चुनाव होना है। जब तक वह आपस की लड़ाई से बाहर नहीं निकलती, पार्टी का मजबूत स्थिति में आना मुश्किल है।

पारदर्शिता की ओर

सुप्रीम कोर्ट के न्यायधीशों ने अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने पर जो सहमति जताई है, उसके पीछे कारण चाहे जो भी हो, वह सही दिशा में उठाया गया वाजिब कदम है। इससे न्यायपालिका में पारदर्शिता बढ़ाने में मदद मिलेगी और आम लोगों का उस पर भरोसा मजबूत होगा। देश में सुप्रीम कोर्ट को ऐसी संस्था के रूप में देखा जाता है, जो आम लोगों के लिए न्याय की आखिरी उम्मीद है। फिर भी जस्टिस यशवंत वर्मा के घर कथित तौर पर जली हुई नोटों की गड्डी मिलने जैसी घटनाओं और उनसे उपजे विवादों से कहीं न कहीं कुछ संदेह भी बनता है। जस्टिस वर्मा के मामले में आंतरिक समिति बनाई गई है। जांच से सारी बातें साफ हो जाएंगी, लेकिन यह भी जरूरी था कि इस घटना के चलते जो संदेह पैदा हुआ, उसे दूर किया जाए। यह विषय बहुत पुराना है कि न्यायधीशों को भी अपनी संपत्ति की सार्वजनिक घोषणा करनी चाहिए। 1997 में सुप्रीम कोर्ट ने एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसके अनुसार हर न्यायाधीश को अपनी प्रॉपर्टी और देनदारियों के बारे में चीफ जस्टिस को बताना होता है। बाद में, एक और प्रस्ताव आया कि न्यायाधीश चाहें तो अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक कर सकते हैं। पिछले लगभग तीन दशक में, यह मामला कई बार उठा है। सूचना का अधिकार लागू होने के बाद यह बहस भी हुई कि न्यायपालिका इसके दायरे में क्यों नहीं। इसके पीछे यही तर्क रहा कि किसी निजी जानकारी को तब तक साझा करने की जरूरत नहीं, जब तक उससे सार्वजनिक हित न जुड़े हों। 2010 और 2019 में जब सुप्रीम कोर्ट में यह केस आया था, तब इसी नुक्ते को आधार बनाकर कहा गया कि जानकारी सार्वजनिक करना न्यायाधीशों की इच्छा पर है। सरकार की एक संसदीय समिति ने 2023 में सिफारिश की थी कि न्यायाधीशों के लिए संपत्ति की घोषणा अनिवार्य की जाए। हालांकि सरकार इस मामले में आगे नहीं बढ़ी और बाद में कहा कि उसका ऐसा कोई इरादा भी नहीं है। यह रुख गलत नहीं कहा जा सकता। सरकार की तरफ से किया गया कोई भी प्रयास यह संदेश देता कि न्यायपालिका में अनावश्यक राजनीतिक दखल हो रहा है। न्यायपालिका की साख के लिए उसका स्वतंत्र होना और दिखना भी उतना ही जरूरी है। हालांकि यह कदम काफी नहीं है। न्यायपालिका के कामकाज में कई तरह की गड़बड़ियां हैं। कई स्तरों पर न्यायिक सुधार के प्रयास आगे बढ़ाने की जरूरत है। लेकिन इस कदम से एक पॉजिटिव संदेश जरूर गया है कि सर्वोच्च अदालत के जज खुद को भी उन कसौटियों पर कसने में नहीं हिचकते जिन्हें वे दूसरों के लिए जरूरी मानते हैं।

स्वस्थ समाज की ओर पहला कदम है जागरूकता

‘विश्व स्वास्थ्य दिवस’ मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी।

योगेश कुमार गोयल

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के बैनर तले प्रतिवर्ष 7 अप्रैल को एक खास थीम के साथ ‘विश्व स्वास्थ्य दिवस’ मनाया जाता है। इस दिवस को मनाए जाने का प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य को लेकर विश्व में प्रत्येक व्यक्ति को बीमारियों के प्रति जागरूक करना, लोगों के स्वास्थ्य स्तर को सुधारना और हर व्यक्ति को इलाज की अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना ही है। पूरी दुनिया इस साल ‘स्वस्थ शुरूआत, आशापूर्ण भविष्य’ विषय के साथ 75वां विश्व स्वास्थ्य दिवस मना रही है। यदि पिछले कुछ वर्षों की स्वास्थ्य दिवस की थीम पर नजर डालें तो 2024 का विषय था ह्मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार’, 2023 यह दिवस ‘सभी के लिए स्वास्थ्य’, 2022 में ‘हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थ्य’, 2021 में ‘सभी के लिए एक निष्पक्ष, स्वस्थ दुनिया का निर्माण’, 2020 में नर्सों और दाईयों का समर्थन करें तथा 2019 में सार्वभौमिक स्वास्थ्यः हर कोई, हर जगह विषय के साथ मनाया गया था।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर विशेष

‘विश्व स्वास्थ्य दिवस’ मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी। दरअसल उस समय लोगों की सेहत को बढ़ावा देने और उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से दुनिया के कई देशों ने मिलकर दुनियाभर में ठोस कार्य करने की जरूरत पर बल दिया और आखिरकार विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव रखने के दो वर्ष बाद सन् 1950 में पहली बार 7 अप्रैल को यह दिवस मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र का अहम हिस्सा ‘डब्ल्यूएचओ’दुनिया के तमाम देशों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर आपसी सहयोग और मानक विकसित करने वाली संस्था है, जिसका प्रमुख कार्य विश्वभर में स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर रखना और उन्हें सुलझाने में सहयोग करना है। इस संस्था के माध्यम से प्रयास किया जाता है कि दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ रहे।

हालांकि चिंता की स्थिति यह है कि पिछले कुछ दशकों में एक ओर जहां स्वास्थ्य क्षेत्र ने काफी प्रगति की है, वहीं कुछ वर्षों के भीतर एड्स, कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों के प्रकोप के साथ हृदय रोग, मधुमेह, क्षय रोग, मोटापा, तनाव जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी तेजी से बढ़ी हैं। ऐसे में स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियां निरन्तर बढ़ रही हैं। वैसे तो दुनिया के तमाम देश बीते कुछ दशकों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहे हैं, लेकिन कोरोना काल के दौरान जब अमेरिका जैसे विकसित देश को भी बेबस अवस्था में देखा गया और वहां भी स्वास्थ्य कर्मियों के लिए जरूरी सामान की भारी कमी नजर आई। तब पूरी दुनिया को अहसास हुआ कि अभी भी जन-जन तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन स्वयं मानता है कि दुनिया की कम से कम आधी आबादी को आज भी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। विश्वभर में अरबों लोगों को स्वास्थ्य देखभाल हासिल नहीं होती। करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिन्हें रोटी, कपड़ा और मकान जैसी मूलभूत आवश्यकताओं तथा स्वास्थ्य देखभाल में से किसी एक को चुनने पर विवश होना पड़ता है।

भारतीय समाज में तो सदियों से धारणा रही है ‘पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में हो माया’ लेकिन चिंता का विषय यही है कि हमारे यहां भी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बहुत खराब है। बहरहाल, विश्व स्वास्थ्य दिवस के माध्यम से जहां समाज को बीमारियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाता है, वहीं इसका सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु यही होता है कि लोगों को स्वस्थ वातावरण बनाकर स्वस्थ रहना सिखाया जा सके। दरअसल विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ होना ही मानव-स्वास्थ्य की परिभाषा है। यह बेहद चिंता का विषय है कि दुनिया की करीब 30 प्रतिशत आबादी के पास बुनियादी स्वास्थ्य उपचार तक पहुंच नहीं है और करीब 200 करोड़ लोग विनाशकारी अथवा खराब स्वास्थ्य देखभाल लागत का सामना कर रहे हैं, जिसमें काफी असमानताएं हैं, जो सबसे वंचित परिस्थितियों में लोगों को प्रभावित कर रही हैं। हालांकि, स्वास्थ्य का अधिकार एक ऐसा मौलिक मानवाधिकार है, जिसके तहत प्रत्येक व्यक्ति को बगैर किसी वित्तीय बोझ के, जब भी जरूरत हो, स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच मिलनी चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं)

भारत की डेमोग्राफी बदलने के लिये घुसपैठ का बड़ा षड्यंत्र

आज बीता हुआ समय इतिहास बन चुका है। इतिहास की घटनाएं हमारे सामने हैं। हम एक एक विन्दु की समीक्षा कर सकते हैं। बंटवारे के बाद भी पाकिस्तान के नायकों ने चैन की सांस नहीं ली। पाकिस्तान ने दो स्तर पर अभियान चलाये। एक तो पाकिस्तान क्षेत्र से हिन्दुओं को मार-मार कर भगाना, उनकी संपत्ति छीनना अथवा उनका मतान्तरण कराना। दूसरे भारत की और भूमि पर अपना अधिकार करना।

रमेश शर्मा

भारत की डेमोग्राफी बदलने के लिये पाकिस्तान और उसके हिस्से पर बना बांग्लादेश पहले दिन से षड्यंत्र कर रहे हैं। इन दोनों देशों के करोड़ों नागरिक चरण छुपे भारत के कोने कोने में बस गये हैं। इस घुसपैठ को रोकने के लिये भारत सरकार ने कानून बनाया है। और केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने चेतावनी भी दी है कि ‘भारत को धर्मशाला नहीं बनने देंगे’। कानून बनने और गृहमंत्री की दो टूक चेतावनी के बाद भी इसके परिणाम कितने सार्थक होंगे यह आज नहीं कहा जा सकता चूंकि पूरे देश में घुसपैठियों का अपना नेटवर्क है।

दुनिया के कई देशों में उतनी जनसंख्या नहीं है जितने भारत में घुसपैठिए हैं। अलग-अलग एजेंसियों ने भारत में घुसपैठियों के अलग-अलग आंकड़े बताये हैं। किसी ने तीन करोड़ तो किसी ने पांच करोड़। भारत में घुसपैठ की समस्या आज की नहीं है। यह पहले दिन से है। और निश्चित योजना के अंतर्गत घुसपैठ की जा रही है। मुस्लिम लीग और मोहम्मद अली जिन्ना ने भले पाकिस्तान ले लिया था। लेकिन उन्होंने भारत के रूपांतरण का कुचक्र बंद नहीं किया था । वे पूरे भारत को अपने रंग में रंगना चाहते थे। इसे छुपाया भी नहीं था। पाकिस्तान निर्माण के साथ एक नारा खुलकर लगाया गया था ‘हंस के लिया है पाकिस्तान, लड़कर लेंगे हिन्दुस्तान’। यह नारा ‘गज्बा-ए-हिन्द’ के लक्ष्य को पूरा करने के लिये था।

पाकिस्तान ने आकार भले 14 अगस्त 1947 में लिया पर इस योजना पर काम बहुत पहले से आरंभ हो गया था। इसे भोपाल, जूनागढ़ और हैदराबाद रियासतों और देशभर के सभी प्रभावशाली मुस्लिम परिवारों की भूमिका से समझा जा सकता है। अधिकांश लोग पूरी तरह पाकिस्तान नहीं गये थे। वे अपने परिवार के एक दो सदस्यों को भारत में ही छोड़ गये थे। ताकि उनकी संपत्ति भी सुरक्षित रहे और भारत के रूपांतरण कुचक्र आगे भी चलाया जाता रहे। मोहम्मद अली जिन्ना अपनी एक पत्नि को लेकर पाकिस्तान चले गये थे लेकिन अपनी बेटी को भारत में ही छोड़ गये थे। ताकि भारत में उनकी संपत्ति सुरक्षित रह सके। कहानी ऐसी प्रचारित हुई मानों जिन्ना की बेटी ने विद्रोह कर दिया हो। पाकिस्तान समर्थक भोपाल नबाब हमीदुल्लाह खान की भी यही कहानी है। एक बेटी पाकिस्तान चली गई और एक बेटी भोपाल में संपत्ति सहेजे रही और वे स्वयं आते-जाते बनी रही ।

मुस्लिम लीग के कोटे से संविधान सभा में पहुंचे असम के योगेन्द्र नाथ मंडल की भी यही कहानी है। यह मुस्लिम लीग और पाकिस्तान समर्थकों की रणनीति से भारत में उनके सभी धर्म स्थल, मदरसे, मजार, दरगाह और पाकिस्तान गये अधिकांश लोगों की संपत्ति भी सुरक्षित रही। पाकिस्तान गये लोगों की संपत्ति सुरक्षा के लिये गांधीजी ने अनशन भी किया था। यह गांधीजी के जीवन का अंतिम अनशन था जो 13 से 18 जनवरी 1948 में दिल्ली में किया था।

आज बीता हुआ समय इतिहास बन चुका है। इतिहास की घटनाएं हमारे सामने हैं। हम एक एक विन्दु की समीक्षा कर सकते हैं। बंटवारे के बाद भी पाकिस्तान के नायकों ने चैन की सांस नहीं ली। पाकिस्तान ने दो स्तर पर अभियान चलाये। एक तो पाकिस्तान क्षेत्र से हिन्दुओं को मार-मार कर भगाना, उनकी संपत्ति छीनना अथवा उनका मतान्तरण कराना। दूसरे भारत की और भूमि पर अपना अधिकार करना। इसे भोपाल, जूनागढ़ और हैदराबाद रियासत के शासकों की भूमिका और कबाइलियों के रूप में कश्मीर पर किया गया आक्रमण समझा जा सकता है। कश्मीर के बड़े भाग पर आज भी पाकिस्तान का अनाधिकृत अधिकार है।

भारत में घुसपैठ स्वतंत्रता के पहले दिन से चल रही है। यह ठीक है कि मुस्लिम समाज के कुछ परिवार भारत को अपनी जन्म भूमि मान कर पाकिस्तान नहीं गये थे। लेकिन जो अपने आधे परिवार को भारत में छोड़कर गये थे और पाकिस्तान जाकर लौटे वे पूरी योजना के साथ । इसीलिए पाकिस्तान के आकार लेने के बाद भी भारत में न लव जिहाद रुका और न लैंड जिहाद। यदा-कदा पाकिस्तान के झंडे भी लहराये जाते हैं और नारे भी सुनाई देते हैं। घुसपैठियों के लिये पहले कश्मीर और नेपाल सीमा मुख्य मार्ग हुआ करता था। बांग्लादेश सीमा से घुसपैठ में तेजी 1971 के बाद आई। घुसपैठियों को भारत पाकिस्तान युद्ध एक बहाना मिला और करोड़ों लोग युद्ध शरणार्थी बनकर भारत में घुस आये। 1971 का वह भारत-पाकिस्तान युद्ध दुनिया का पहला युद्ध नहीं था। जब से देशों की सीमाएं बनीं हैं तब से दुनियं भर में युद्ध हो रहे हैं।

युद्ध के कारण कितने देश नये बने और कितनों का अस्तित्व समाप्त हुआ। युद्ध साधारण भी हुये और विश्व युद्ध भी । लेकिन बांग्लादेश के युद्ध में जितने शरणार्थी भारत आये उतने दुनियां के किसी युद्ध देश में नहीं देखे गये। युद्ध तो केवल सत्रह दिन चला लेकिन इसके बहाने करोड़ों लोग भारत में घुस आये। युद्ध की समाप्ति और बंगलादेश बन जाने के बाद इन्हें अपने देश लौट जाना था। लेकिन अधिकांश लौटे ही नहीं। चूंकि वे शरणार्थी नहीं थे, भारत की डेमोग्राफी बदलने की योजना लेकर भारत आये थे। इसीलिए लौटकर नहीं गये। इसके साथ ही बांग्लादेश की सीमा से घुसपैठ और तेज हो गई। बांग्लादेशी के घुसपैठियों के साथ रोहिंग्या भी जुड़ने लगे। इन सबकी मानों एक युति बन गई। इसके चलते बांग्लादेश और म्यांमार से लगने वाली भारतीय सीमा से लगे हर गांव और नगर की डेमोग्राफी बदल गई है। अनुमान है पश्चिम बंगाल में 57 लाख और असम में 50 लाख से अधिक बांग्लादेशी बस गये हैं।

भारत में रहने के लिये आधार कार्ड और अन्य सभी आवश्यक दस्तावेज उनके पास हैं। भारत के सीमा प्रांतों में मुस्लिम जनसंख्या बढ़ने का कारण ही ये घुसपैठ ही हैं। असम प्रांत के बारपेटा, धुबरी, दरांग, नौगांव, करीमगंज, दारंग, मोरीगांव, बोंगाईगांव, धुबरी, गोलपारा और लाकांडी जिलों में मुस्लिम आबादी 50 से 80 प्रतिशत तक हो गई है। राज्य के नलबाड़ी, कछार और कामरूप में भी धार्मिक जनसंख्या में भारी बदलाव आया है। इन घुसपैठियों के कारण राज्य के 45 विधानसभा क्षेत्रों में मुस्लिम मतदाताओं का वर्चस्व स्थापित हो गया है। इसी प्रकार पश्चिम बंगाल के मालदा, दिनेशपुर, छपली नवबादगंज, मुर्शिदाबाद और 24-परगना जिलों में भी बांग्लादेश घुसपैठियों का बोलबाला हो गया है। ये घुसपैठिए बहुत आक्रामक भी हैं। उनके भय से हिन्दू पलायन करने लगे हैं। बिहार के अररिया, किशनगंज, कटिहार और पूर्णिया जिलों में भी मुस्लिम आबादी अप्रत्याशित तौर से बढ़ी है। आशंका है कि इस घुसपैठ में बंगलादेश के रास्ते आये पाकिस्तानी नागरिक भी हो सकते हैं जो आईएसआई की योजना से भारत आये हैं। किशनगंज में मुस्लिम जनसंख्या 67.58 प्रतिशत हो गई है और हिंदू जनसंख्या 31.43 प्रतिशत रह गई है।

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने अपनी एक रिपोर्ट में झारखंड के संथाल परगना क्षेत्र में बांग्लादेशी घुसपैठ के प्रति सरकार का ध्यान आकर्षित किया था। रिपोर्ट के अनुसार और इस क्षेत्र की जनसांख्यिकी में बदलाव का कारण यही घुसपैठ है। यह घुसपैठ केवल बांग्लादेश की सीमा से लगे प्रांतों में ही नहीं हो रही ये भारत के हर कोने में अपनी पैठ बना रहे हैं।

सड़क से संसद तक अनेक बार आवाज उठ चुकी है। समय समय पर कई एजेन्सियों ने अपने आंकड़े भी जारी किये । वर्ष 2000 में भारत सरकार के तत्कालीन गृह सचिव माधव गोडबोले ने अपनी एक रिपोर्ट में बांग्लादेश घुसपैठियों की संख्या लगभग डेढ़ करोड़ बताई थी। जबकि कुछ अन्य एजेन्सियों ने यह संख्या ढाई से तीन करोड़ बताई थी। वर्ष 2014 में सीबीआई के पूर्व डायरेक्टर जोगिंदर सिंह के अनुसार घुसपैठियों की संख्या पांच करोड़ अनुमानित की थी। इन घुसपैठिओं ने भारत की लगभग तीस लोकसभा और 140 से अधिक विधानसभा सीटों पर अपना प्रभाव बना लिया है। दिल्ली में भी बांग्लादेश घुसपैठियों की संख्या छह से आठ लाख मानी जा रही है। इनके पास भारतीय पहचान पत्र भी हैं। भारत का सद्भाव बांग्लादेश के प्रति रहा है। वर्ष 2002 में आईएसआई के कुछ एजेंट कोलकाता में पकड़े गये थे उन्होंने खुलासा किया था कि भारत से लगी बांग्लादेश की सीमा में आईएसआई के प्रशिक्षण केन्द्र हैं। जिनमें आतंकवाद की ट्रेनिंग दी जाती है। फिर उन्हे भारत में अशान्ति पैदा करने के लिये घुसपैठ कराई जाती है।

भारतीय सनातन समाज के संवेदनशील स्वाभाव और शरणार्थियों को लेकर भारत सरकार के ‘उदार’ प्रावधानों का लाभ उठाकर भारत आने वाले ये घुसपैठिये केवल अपराध से ही नहीं जुड़ते वे भारतीय समाज जीवन में अशांति पैदा करने का कुचक्र भी करते हैं। हाल ही फिल्म अभिनेता सैफ अली पर जिसने हमला किया था वह छह माह पहले ही नदी पार करके भारत में घुसा था और उसके पास दस्तावेज भी थे जो पश्चिम बंगाल के चौबीस परगना जिले में तैयार हुये थे जबकि उसका वास्तविक नाम शरीफुल इस्लाम था। हिन्दू नाम से अपराध करने वाला यह पहला घुसपैठिया नहीं था। वर्ष 2000 में भारतीय समाज जीवन में अशांति फैलाने वाली चार बड़ी घटनाएं घटीं थीं। एक पश्चिम बंगाल के चर्च में महिला धर्म प्रचारक की हत्या और दूसरी दिल्ली, कानपुर लखनऊ में धार्मिक पुस्तक कुरान का पन्ना जलाने की घटनाएं। इन सभी घटनाओं में आरोपी गिरफ्तार हुये जो बंगलादेशी घुसपैठिए थे और नाम बदलकर भारत में रह रहे थे।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

भगवान शंकर के श्रृंगार में पूरी सृष्टि का था योगदान

भगवान शंकर के सुंदर श्रृंगार में मानों संपूर्ण सृष्टि का ही योगदान हो रहा था। उनके पावन दिव्य तन पर भस्म का लेपन भी हो चुका था। गोस्वामी तुलसीदास जी कहते हैं, कि भगवान शंकर के अब तक ऐसे भिन्न-भिन्न श्रृंगार हो चुके थे-

‘ससि ललाट सुंदर सिर गंगा।
नयन तीनि उपबीत भुजंगा।।
गरल कंठ उर नर सिर माला।
असिव बेष सिवधाम कृपाला।।’

अर्थात शिवजी के सुंदर मस्तक पर चनद्रमा, सिर पर गंगाजी, तीन नेत्र, साँपों का जनेऊ, गले में विष और छाती पर नरमुण्डों की माला थी। इस प्रकार उनका वेष अशुभ होने पर भी वे कल्याण के धाम और कृपालु हैं।

भगवान शंकर के मस्तक पर चन्द्रमा को सुशोभित कर दिया गया। किसी ने पूछा, कि हे भोलेनाथ! आपने उस चन्द्रमा को सीस पर स्थान क्यों दिया, जो कि मन की भाँति चँचल है। गौतम नारि अहल्या का जिसने शील भँग करने का कुप्रयास किया हो, क्या उसे सीस पर सजाना उचित है?

भगवान शंकर प्रश्नकर्ता की यह जिज्ञासा सुन मुस्करा पड़े। तब उन्होंने बताया कि समुंद्र मंथन के पश्चात, अमृत कलश को लेकर, जब असुर और देवताओं में संघर्ष हो रहा था, तो राहु चन्द्रमा का वध करने के लिए उसके पीछे लगा था। निःसंदेह चन्द्रमा से पाप तो हुआ था, किंतु उसके पश्चात उसने गहन पश्चाताप भी किया था। चन्द्रमा को जब राहु से कहीं चैन न मिला, तो रक्षार्थ वह अन्ततः मेरी ही शरण में आया था। हे जिज्ञासु! सदैव याद रखना, कि नाला कीचड़ में कितना भी मलिन क्यों न हो, अगर वह गंगाजी में स्वयं को नयौछावर कर देता है, तो उसकी संपूर्ण मलिनता धुल जाती है। वह गंदा नाला साक्षात गंगा जी का ही रुप हो जाता है।

ठीक इसी प्रकार से अगर कोई पापवृति धारक, कैसे भी हमारी शरण में आता है, और अपने पापों से मुक्तिभाव रखते हुए, हमारी शरणागत होता है। तो हम उसे अत्यंत प्रेम भाव से अपनाते हैं। भले ही वह हमारे चरणों में ही क्यों न अर्पित हुआ हो, किंतु हम उसे उठाकर अपने सिर पर बिठा लेते हैं। कहने का तात्पर्य आप चन्द्रमा की भाँति शीतल भाव तो अपनाओ, औरों को रात्रि होने के पश्चात भी मार्ग दिखाने का पुनीत कार्य करके तो दिखायो, फिर देखिए, हम कैसे उसे अपने सिर पर बिठाते हैं।

प्रश्नकर्ता ने कहा, कि प्रभु चन्द्रमा को आपने भले ही सीस पर बिठा लिआ हो, किंतु उसे आप टेढ़ा तो न रखते, कम से कम उसे सीधा तो कर लेना चाहिए था।

भगवान शंकर ने प्रेम से कहा-हे जिज्ञासु! आपने संसार में यह विचार बड़े प्रबल भाव से श्रवण किया होगा, कि हमारे चरणों में किसी को आना हो, तो उसे मन, वचन एवं कर्म से बिल्कुल सीधा होना चाहिए। उसका तनिक सा भी टेढ़ापन, उसे हमारी शरण से च्युत कर सकता है। किंतु हमारे सीस पर सुशोभित टेढ़े चन्द्रमा के माध्यम से, हम संसार को बताना चाहते हैं, कि हमारा दरबार ऐसा है, कि यहाँ सीधे भी स्वीकार किये जाते हैं, और टेढ़े भी। आप कैसे हैं, यह सोच कर मन छोटा मत कीजिए। यह भी न सोचिए, कि आप प्रभु को स्वीकार होंगे अथवा नहीं? आप तो बस चले आईये। ऐसा तो बिल्कुल भी मत सोचिए, कि आपको पावन पवित्र होकर ही हमारे पास आना है। क्योंकि पावन होना आपके वश की बात नहीं। हम ही अपनी महती कृपा से आपको पवित्र करेंगे। मलिन वस्त्र धोबी के पास जाने से पूर्व, क्या यह सोचता है, कि वह तो मैला है। वह धोबी के पास भला क्योंकर जा पायेगा? क्या मैले वस्त्र को पहले सापफ होने की आवश्यक्ता होती हैं? क्या मैले वस्त्र का इतना सामर्थ है, कि वह स्वयं से ही साफ हो पाये? नहीं न? वह स्वयं कभी भी नहीं धुल सकता। धोबी ही उसे धोता है। वह तो केवल समर्पण करता है। उसे सिला पर पटका जाये, अथवा दोनों हाथों में पकड़ कर बलपूर्वक निचोड़ दिया जाये। वह कभी कुछ नहीं बोलता। धोबी उसे बार-बार पानी में डूबोता है। वह कभी नहीं कहता, कि मेरा दम घुट रहा हैं। धोबी उसे कड़क धूप में भी डाल देता है। इतने संघर्षो के बाद कहीं जाकर वह वस्त्र सवच्छ हो पाता है। तो बताईये इस पूरे घटनाक्रम में वस्त्र की क्या भूमिका रही? भूमिका तो पूरी की पूरी धोबी की होती है। वस्त्र तो केवल समर्पण होता है।

सेहत

रामबाण से कम नहीं है पुदीना

पुदीना एक ताजा जड़ी बूटी है जिसका आमतौर पर औषधीय रुप में उपयोग किया जाता है। पुदीना न केवल अपने ठंडे स्वाद के लिए जाना जाता है, बल्कि इसके संभावित स्वास्थ्य लाभों के लिए भी जाना जाता है - खासकर जब वजन कंट्रोल की बात आती है। एंटीऑक्सीडेंट और आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर पुदीना फैट,मेटाबॉलिज्म और पाचन में सहायक भूमिका निभा सकता है। पुदीना पाचन एंजाइमों को उत्तेजित करता है जो भोजन से पोषक तत्वों को अवशोषित करने और फैट्स को इक्ट्ठा करने के बजाय उपयोग करने योग्य ऊर्जा में परिवर्तित करने में मदद करते हैं। जबकि पुदीना अकेले वजन घटाने के लिए एक चमत्कारी उपाय नहीं है बल्कि इसे संतुलित आहार और स्वस्थ लाइफस्टाइल में शामिल करने से शरीर की प्राकृतिक फैट्स-जलने की प्रक्रिया में वृद्धि हो सकती है। ऐसे में आप पुदीने को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं। गर्मी के दिनों में पुदीना सिर्फ आपको ठंडक ही नहीं देता है, बल्कि यह वजन को कम करने में भी मदद करता है।

डाइजेशन होता है बूस्ट अप : अगर आप पुदीने को डाइट में शामिल करते हैं, तो यह डाइजेशन को बूस्टअप करता है। गौरतलब है कि पुदीना डाइजेस्टिव एंजाइमों को उत्तेजित करता है, जिससे पाचन तंत्र बेहतर तरीके से काम करता है। इसके सेवन से आपका पाचन सही तरह से काम करता है, तो आपका शरीर फैट और काबोर्हाइड्रेट को अधिक बेहतर तरीके से प्रोसेस करता है, जिससे शरीर में अनावश्यक वसा जमा नहीं होता है। इतना ही नहीं, यह ब्लोटिंग को कम करने में मदद करता है, जिससे आप अधिक लाइट महसूस करते हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

महावीरी पताके व जुलूस से श्रीराममय हुआ शहर

मेट्रो रेज

दुमका : उपराजधानी दुमका समेत पूरे जिले में रामनवमी पर्व को लेकर हर्षोल्लास और उत्साह का माहौल रहा। मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम और बजरंगबली की घर-घर में पूजा हुई। लोगों ने घर के अलावा मंदिरों में महावीरी झंडा लगाये। वहीं मंदिरों में पूजा-अर्चना के लिए सुबह से भक्तों का तांता लगा रहा। इधर, दोपहर बाद तीन बजे से अलग-अलग मुहल्लों से अखाड़ों से महावीरी जुलूस निकाला गया। इसमें युवाओं ने पारंपरिक अस्त्रों के साथ भाग लिया। लाठी खेल कर और कई करतब दिखाकर युवाओं ने अपने शौर्य का प्रदर्शन किया। एहतियातन विद्युत विभाग की ओर से दोपहर 4 बजे से ही शहरी क्षेत्रों की बिजली काट दी गई थी, ताकि अखाड़ा जुलूस के दौरान कोई अनहोनी न हो। दुमका शहर में 21 अखाड़ों ने महावीरी जुलूस निकालने की अनुमति थी। देर शाम तक अधिकांश अखाड़ों से महावीरी जुलूस निकाल लिया गया। घोड़ा और पालकी के साथ भी महावीरी जुलूस निकाला गया। जुलूस में शामिल युवाओं-बच्चों में भारी उत्साह था। जय श्रीराम और जय हनुमान के उद्घोष से उपरानधानी गूंजती रही। महावीरी जुलूस निकालने वाले समितियों में टीन बाजार, रसिकपुर, सैरापाड़ा, दुधानी, खिजुरिया, रसिकपुर दासपाड़ा, टीन बाजार, कुमारपाड़ा, डांगालपाड़ा, कानुपाड़ा,मोरटंगा रोड़, हिजला रोड़, मारवाड़ी संघ शामिल थे। दुमका के श्रीश्री 108 सार्वजनिक रामनवमी पूजा समिति टीन बाजार द्वारा भव्य रूप से जुलूस निकाला गया था। विभिन्न देवी-देवताओं की झांकी समेत कई बैंड बाजा के साथ जुलूस निकाला गया। कुमारपाड़ा का अखाड़ा भी भव्य रहा। इसमें काफी संख्या में युवा शामिल थे। सभी अखाड़ा जुलूस देर शाम तक दुमका के टीन बाजार चौक पहुंचा। इसके बाद पुनः अपने-अपने मुहल्ले की ओर लौटे। सुरक्षा का था व्यापक इंतजाम, दंडाधिकारी दिखे तैनात रामनवमी के अवसर पर महावीरी जुलूस के दौरान विघि व्यवस्था को नियंत्रित रखने के लिए दंडाधिकारियों के नेतृत्व में अच्छी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गयी थी। दुमका शहरी क्षेत्र में जहां खुद डीसी ए दोड्डे, एसपी पीतांबर सिंह खेरवार, एसडीओ कौशल कुमार, एसडीपीओ विजय कुमार महतो व डीएसपी आकाश भारद्वाज विधि व्यवस्था को लेकर नजर बनाए रहे, वहीं अलग-अलग इलाकों में दंडाधिकारी व संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को सजग देखा गया।

अखाड़ों के साथ भी पुलिस बलों को लगाया गया था। वहीं दुमका के टीन बाजार में भी काफी संख्या में दंडाधिकारियों के साथ पुलिस बल के जवान खड़े थे। जुलूस में शामिल लोगों के लिए विभिन्न संघ-संघठनों की ओर से पेयजल व शरबत के स्टॉल लगाये गये थे, जिसमें टीन बाजार चौक पर जय माता दी सेवा समिति के द्वारा स्टॉल लगाया गया है। इसमें राम भक्तों के साथ-साथ हनुमान भक्तों और रामनवमी अखाड़ा, वालों की सेवा के लिए फल, शरबत, ठंडे पानी, प्रसाद की व्यवस्था की गयी है। वहीं वीर कुंवर सिंह चौक पर विश्व हिंदू परिषद समेत मारवाड़ी चौक में मारवाड़ी युवा मंच, कुलदीप सिंह चौक, टीन बाजार में रोटी बैंक समेत अन्य जगहों पर स्टॉल लगाकर शरबत, पानी की व्यवस्था की गयी थी।

पूर्णाहुति के साथ शतचंडी यज्ञ संपन्न, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

मेट्रो रेज

साहिबगंज/बरहरवा : बिंदुधाम पहाड़ में चैत माह में होने वाले शतचंडी महायज्ञ रविवार को पूणार्हुति के साथ संपन्न हो गया। इस दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी।यज्ञ के दौरान पूरा मंदिर परिसर भक्ति में हो गया पूरा मंदिर परिसर विन्दुवासिनी माता की जय,पहाड़ी बाबा की जय,हर हर महादेव आदि जयघोष से गुंजायमान में हो उठा।यज्ञ के पूणार्हुति के पूर्व श्रद्धालुओं ने यज्ञशाला की परिक्रमा किया। यज्ञ में बरहरवा,बरहेट, बोरियो राजमहल,उधवा,पश्चिम बंगाल के फरक्का,मालदा, कोलकाता, बिहार के भागलपुर, लखीसराय, पटना सहित कई अन्य क्षेत्रों से श्रद्धालु भी शामिल हुए। सुबह से ही मंदिर परिसर में पूजा अर्चना को लेकर श्रद्धालुओ की भीड़ उमड़ पड़ी। सभी ने पूजा अर्चना कर माँ विन्दुवासिनी से अपने उज्ज्वल भविष्य की कामना किया। इधर शतचंडी महायज्ञ शुभारंभ के मौके पर बनारस से आचार्य शांतेश्वर मिश्रा के आलावे गंगा बाबा,मनोज झा, देवेन्द्र पाण्डेय, विकास कुमार झा,नबीन दुबे, नीरज शर्मा,संजय मिश्रा सहित 21 पुरोहित उपस्थित थे।यज्ञ के दौरान विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर रामनवमी महोत्सव समिति के कार्यकारी अध्यक्ष शक्ति नाथ अमन, नीलकंठ साहा, अभिजीत महतो सहित अन्य पदाधिकारी जुटे रहे।इधर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरे मंदिर परिसर में पुलिस बल भी तैनात किया गया था। स्वंय प्रखंड विकास पदाधिकारी चंदन कुमार विधि व्यवस्था को लेकर डटे थे।

लोगो ने लिया मेले का आनंद: इस दौरान पहाड़ी की तलहटी पर लगने वाले मास व्यापि रामनवमी मेला का भी लोगो ने जमकर लुफ्त उठाया।महाष्टमी की रात्रि मेले में जमकर श्रदालुओं की भीड़ उमड़ी।मेले में लोगो ने मनोरंजन के लिए लगाए गए तारा मांची,झूला,रेल गाड़ी,मौत का कुआँ आदि का आनंद लिया वही महिलाओं की अधिकतर भीड़ श्रृंगार प्रसाधन की दुकान पर दिखी जबकि बच्चे खिलौनों की खरीददारी करते नजर आए। मेला में विधि व्यवस्था को लेकर काफी संख्या में महिला व पुलिस बलों की तैनाती किया गया था। वही किसी प्रकार की अनहोनी ना हो इसे लेकर मेला समिति की और से स्वंयसेवको को भी बहाल किया गया था।

रामनवमी पर बिंदुधाम मंदिर से निकाली गई भव्य अखाडा जुलूस

मेट्रो रेज

साहिबगंज/बरहरवा : प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी रामनवमी के मौके पर रविवार को बिंदुधाम मंदिर से भब्य आखाड़ा जुलुस निकाला गया। जय श्री राम नाम के जयकारे के साथ रामजी की सेना के रूप में जुलुश का आह्वान हुआ। ज्ञात हो कि बिंदुधाम मंदिर से निकलने वाली रामनवमी जुलूस विभिन्न राज्यो में प्रसिद्ध है। भारी संख्या में प्रभु श्री राम के झंडे और भगवा रंग के पोषाक और राम लक्ष्मण,हनुमान और बाली की रथ के साथ झाँकी एक धार्मिक और मनमोहक दृश्य प्रदर्शित करती है। जिससे पूरा पतना बरहरवा नगर भक्तिमय हो जाता है। वहीं पारम्परिक रिवाजो को भाँति प्रभु श्री राम की जुलुश यात्रा के लिए स्थानीय लोगों द्वारा जगह जगह जल और शर्बत प्याऊ की व्यवस्था भी की गई थी।मां विंध्यवासिनी मंदिर से हजारो की संख्या निकल कर पलटनिया रोड,पटना चौक,मेन रोड,सब्जी मंडी रोड झिकटिया होते हुए वापस बिंदुधाम पहुंचा अखाड़ा जुलुस में रामभक्तो ने अपने-अपने कला का प्रदर्शन किया।जलुस में राम भक्तो ने जय श्री राम का जोरदार नारा लगाया। इस दौरान बिंदुधाम मंदिर के कार्यकारी अध्यक्ष शक्तिनाथ अमन ने कहा कि इस महापर्व को लेकर शहर के लोगों के दिल मे एक अलग भावनाएं है जिसके कारण इतना बड़ा कार्यक्रम और पूजनोत्सव शांतिपूर्ण ढंग से संम्पन्न हो जाती है।और बार भी हुई है,इसमें स्थानीय लोगों के साथ साथ प्रसाशन की भी अहम भूमिका रही है। जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बारहरवा एसडीपीओ नितिन खांडेवाल, पुलिस निरीक्षक सुधीर पोद्दार,थाना प्रभारी सुमित कुमार,रांगा थाना प्रभारी अखिलेश कुमार यादव सहित अन्य पुलिस बल उपस्थित थे।अखाड़ा जुलूस में हजारों की संख्या में राम भक्त शामिल थे।

रामनवमी जुलूस में शामिल श्रद्धालुओं को शरबत पीला कर पेश की भाईचारे की मिशाल

मेट्रो रेज

साहिबगंज/बरहरवा: प्रखंड के मस्जिद चौक स्थित छोटी मस्जिद के निकट प्रदेश उपाध्यक्ष कांग्रेस सहकारिता विभाग सह प्रखंड बीस सूत्री सदस्य शहनवाज नासिर के नेतृत्व में अन्य मुस्लिम भाइयों ने मिलकर रामनवमी के जुलूस में शामिल श्रद्धालुओं को शरबत पीला कर भाईचारे की बेहतरीन मिशाल पेश की ! शहनवाज नासिर ने बताया कि बरहरवा की धरती गंगा-जमुनी तहजीब को हमेशा से बढ़ावा देती हुई आई है,इसी भाईचारे को और मजबूत करने के लिए आज हम मुस्लिम भाइयों ने जुलूश के हिंदू भाईओं के लिए शरबत और ठंडे पानी की वयवस्था की। हमारे इस प्रयास को हिंदू भाईओं ने भी गले लगाकर स्वागत किया।मौके पर सरदार अहमदहुसैन,बरहरवा छोटी मस्जिद के सचिव निसार अहमद, एनएसयूआई स्टेट चेयरमैन थॉमस रॉबर्ट, कांग्रेस सहकारिता सदस्य आफताब आलम,मो वारिश,मनीष गुप्ता, पप्पू स्वर्णकार,पिंटू स्वर्णकार व अन्य मौजूद थें।

साईंनाथ की पालकी यात्रा में उमड़ी भीड़

मेट्रो रेज

दुमका : जिले में रामनवमी पर ननकू कुरुआ स्थित शिरडीधाम साईं मंदिर से धूमधाम के साथ पालकी यात्रा निकाली गयी। शिरडी की तर्ज पर दुमका में रामनवमी के दिन पालकी यात्रा निकालने की परंपरा रही है। यात्रा बगल के बजरंगबली मंदिर, कुरुआ चौक शिवमंदिर होते हुए बेहराबांक बजरंगबली मंदिर से होते हुए फिर साईं मंदिर लौटी। साईं की धूप आरती के बाद सैकड़ो भक्तों ने भोग को प्राप्त किया। आयोजन को सफल बनाने में ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रो मदनेश्वर चौधरी, अनुज सिंह, नलिन विलोचन झा, मल्यज वत्स सहित काफी संख्या में श्रद्धालु शामिल थे। साईं मंदिर से भी पालकी यात्रा निकाली गयी, जिसमें काफी संख्या में साईं भक्त शामिल हुए। पालकी यात्रा शहर के मुख्य बाजार, वीर कुंवर सिंह चौक, थाना रोड़ से टीन बाजार चौक से नगर भ्रमण करते हुए साईं मंदिर पहुंचकर यात्रा का समापन किया गया।

चौकीदार नियुक्ति के लिए शारीरिक जांच और दौड़ शुरू

उपायुक्त ने सिद्धो- कान्हो स्टेडियम में ड्राय रन का निरीक्षण कर दिया आवश्यक दिशा-निर्देश

मेट्रो रेज

साहिबगंज : सिद्धू- कान्हो स्टेडियम में सोमवार की सुबह से ही चौकीदार नियुक्ति लेकर छात्र लाइन में खड़े होकर चौकीदार नियुक्ति प्रक्रिया के तहत लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की शारीरिक जांच और दौड़ शुरू हो गया। इस संबंध में जिला उपायुक्त हेमंत सती ने बताया कि चयन प्रक्रिया का आज पहला चरण से 12 अप्रैल 2025 तक आयोजित किया । यह कार्यक्रम प्रतिदिन सुबह 06:00 बजे से सिद्धो-कान्हू स्टेडियम, स्थानीय स्तर पर संपन्न होगा। शारीरिक दक्षता परीक्षण में शामिल सभी अभ्यर्थियों को समय पर उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है।चौकीदार भर्ती परीक्षा-2024 विज्ञापन संख्या -01/24, जिसकी लिखित परीक्षा- 19 जनवरी को ली गई थी। लिखित परीक्षा में कुल 946 अभ्यर्थी सफल हुए थे। लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों का शारीरिक जांच व दौड़ परीक्षण सिद्धो-कान्हू स्टेडियम साहिबगंज में सोमवार से 12 अप्रैल, 2025 तक प्रातः 6:00 से 10:00 तक कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी कार्य सीसी कैमरा की निगरानी में कराया जा रहा है। साथ ही वीडियो ग्राफी भी कराई जा रही है।। उन्होंने बताया कि रौल नंबर के अनुसार एक बार में 30-30 अभ्यर्थियों को दौड़ाया और दौड़ 1600 मीटर का कराया जाएगा। यदि 30-30 के बैच में कोई अभ्यार्थी छूट जाता है। तो उसे अंतिम बैच में दौड़ाया जाएगा।जो अभ्यर्थी 1600 मीटर का दौड़ 5 मिनट में पूरा करेंगे उसे 20 अंक दिया जाएगा। जो अभ्यर्थी 6 मिनट में 1600 मीटर के दौड पूरा करेंगे। उसे 10 अंक दिया जाएगा व जो अभ्यर्थी 6 मिनट के बाद दौड़ पूरा करेंगे उसे डिसक्वालिफाइड किया जाएगा। जिसमें अभ्यर्थियों का रौल नंबर और दौड़ नंबर लगाने के लिए ओपन जिम स्थान में 6 टेबल लगाए गए हैं। अभ्यर्थी अपने-अपने रौल नंबर के अनुसार अंकित टेबल में ही जाकर उपस्थिति दर्ज व आवश्यक दस्तावेज का सत्यापन कराएगें। ओपन जिम से सत्यापन करने के उपरांत ही दौड़ के लिए अंदर स्टेडियम में अभ्यर्थियों को प्रवेश कराया जाएगा। प्रतिनियुक्त पदाधिकारी अगले राउंड के दौड़ के लिए 30-30 का बैच बनाकर तैयार रखें है।इस अवसर पर उपायुक्त हेमंत सती,उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास, अपर समाहर्ता गौतम भगत, सिविल सर्जन समेत जिला स्तरीय पदाधिकारी, प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी को सौंपे गए दायित्वों को गंभीरता से निभाने का निर्देश दिया गया है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक प्रक्रिया जारी है।

न्यूज IN ब्रीफ

काजल कुमारी को उसके जेठ ने पीटकर किया घायल

साहिबगंज : तालझारी थाना क्षेत्र के सकरीगली छोटी भाग्यमारी निवासी संजय कुमार की 26 वर्षीय पत्नी काजल कुमारी को उसी के जेठ ने पीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल काजल ने बताया कि बीते शनिवार की रात मेरे जेठ आशीष मंडल एवं गोतनी ने मुझे मारपीट कर घायल कर दिया। बताया की कुछ दिन पहले ही मेरा ऑपरेशन से डिलीवरी हुआ है। ऑपरेशन की जगह चोट लगने से बहुत ज्यादा खून बहने लगा।अपनी शिकायत को लेकर तालझारी थाना पहुंची जहां पुलिस ने इलाज के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

थ्रेसर मशीन से कटकर अलग हुईं बायीं हाथ की चार उंगलियां

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना थाना क्षेत्र के चासा टोला लालबथानी निवासी अर्जुन मंडल का 16 वर्षीय पुत्र धर्मराज मंडल का गेहूं पेरने के दौरान मशीन से बायीं हाथ की चार उंगलियां कट कर अलग हो गयी। उंगली कट जाने के कारण ज्यादा खून बहने लगा जिससे धर्मराज मूर्छित होने लगा। स्वजनों ने इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती करवाया।जहां ने प्राथमिक उपचार किया। घायल धर्मराज के पिता अर्जुन मंडल ने बताया कि रविवार की सुबह अपने खेत में थ्रेसर मशीन में गेहूं पेर रहे थे। तभी अचानक मेरे बेटा धर्मराज मंडल का हाथ मशीन में चल गया और हाथ के चार उंगलियां कट कर अलग हो गया ।इधर धर्म राज का इलाज डाक्टर के देख रेख में किया जा रहा है।

स्थानीय लोगों की मदद से सिलेंडर में लगी आग बुझाई गयी

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र निवासी अमरनाथ केसरी के घर में रखें सिलेंडर में आग लग गई। स्थानीय लोगों की मदद से सिलेंडर में लगी आग को बुझाया गया। अमरनाथ केसरी ने बताया कि घर में प्रसाद बनाने के लिए सिलेंडर मंगवाया था। सिलेंडर लीक था। लेकिन सिलेंडर लीक होने का पता नहीं चल पाया और सिलेंडर के बगल में रखें दिया से आग पकड़ लिया। घर के आसपास में रखें कुछ सामान टीवी अलमारी सहित अन्य सामान जलकर राख हो गया। हो हल्ला होने के बाद स्थानीय लोग घर के पास आ गए और किसी तरह सिलेंडर में लगे आग को बुझाया । इधर सूचना पर अग्नि सामान विभाग की वहां भी घटनास्थल पर पहुंच गई।

संतोष स्वर्णकार बने युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव

साहिबगंज : युवा कांग्रेस के नेता संतोष स्वर्णकार को युवा कांग्रेस का प्रदेश सचिव मनोनीत किया गया है साथ हीं श्री स्वर्णकार को

युवा कांग्रेस के गोड्डा जिला का सह प्रभारी भी मनोनीत किया गया है।जिससे यहां के कांग्रेसियों में भी काफी हर्ष है। इससे पहले युवा कांग्रेस के प्रदेश संयोजक के पद पर लंबे समय तक पार्टी में कार्य किये एवं युवा कांग्रेस के महगामा विधानसभा प्रभारी भी रहे।संतोष स्वर्णकार 26 वर्षों से लगातार कांग्रेस के विभिन्न पदों पर कार्य करते आ रहे हैं। साथ हीं इस नई जिम्मेवारी मिलने पर श्री स्वर्णकार ने कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी कृष्णा अल्लावरू,राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब व झारखंड प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अभिजीत राज को नई जिम्मेवारी के लिए धन्यवाद दिया है साथ हीं कहा की संगठन में मुझे जो जिम्मेवारी सौंपी गई है। उसका मैं तन,मन से पूरी मेहनत और लगन के साथ निर्वाहन करते हुए कांग्रेस के हाथ को मजबूत करूंगा। संतोष स्वर्णकार को युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव बनने पर प्रदेश कांग्रेस के सचिव अनिल ओझा,कांग्रेस नगर अध्यक्ष महेंद्र पासवान,सदर प्रखण्ड अध्यक्ष मनोज ओझा,लालबाबू यादव,डॉ नवल किशोर,अनूसूचित जाति विभाग के जिला अध्यक्ष राहुल पासवान, सेवा दल के अल्ताफ आलम, ललन ठाकुर,अंशु पाल तांती व अन्य ने बधाई दी।

कांग्रेस की बैठक में जिले के संगठन पर होगी चर्चा

साहिबगंज : जिला कांग्रेस कार्यालय में मंगलवार को 11 बजे

कांग्रेस कमिटी की बैठक रखी गई है। जिसमें साहेबगंज ज़िले के नवनियुक्त प्रभारी पाकुड विधायक निसात आलम मुख्य रूप से मौजूद रहेगी। जिसकी जानकारी कांग्रेस जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान ने दी। उन्होंने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य जिला के संगठन पर चर्चा होगी। साथ ही बूथ लेबल तक के संगठन सशक्तिकरण पर चर्चा के साथ उसे और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में बात होगी।उन्होंने बताया कि उक्त बैठक में जिला कांग्रेस कमिटी,सभी प्रखंडों के अध्यक्ष,सभी मण्डल अध्यक्ष,सभी प्रकोष्ठों के जिला अध्यक्ष, प्रखण्ड अध्यक्ष,20 सूत्री प्रखण्ड अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सदस्यगण एवं कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

जिले के दुर्गा मंदिरों में हुई मां सिद्धिदात्री की पूजा

दुमका नगर : चैती नवरात्र के अंतिम दिन रविवार को मां दुर्गा की 9वें स्वरूप मां सिद्धिदात्री की पूजा की गयी। मां दुर्गा के मोक्ष और सिद्धि देने वाले स्वरूप को सिद्धिदात्री कहा जाता है। मान्यता है कि माता की पूजा करने से सभी कार्य सिद्ध हो जाते हैं। घर में धन-धान्य की कमी नहीं होती। दुर्गास्थान, धर्मस्थान और पगला बाबा दुर्गा मंदिर सहित कई मंदिरों में सुबह से भक्तों का तांता लगा रहा। विशेष चहल पहल रही। धर्मस्थान मंदिर व पगला बाबा मंदिर में हवन का आयोजन किया गया। धर्मस्थान में हवन पंडित नेपाल जी महाराज के द्वारा कराया गया। पगला बाबा मंदिर में तारापीठ के पुरोहित अमित चक्रवर्ती द्वारा कराया गया। धर्मस्थान मंदिर सहित अन्य मंदिरों व घरों में कुंवारी पूजन किया गया। कुंवारी पूजन के दौरान कुंवारी कन्याओं को भोजन भी कराया गया। पगला बाबा मंदिर में किया गया शस्त्र पूजन दुमका नगर। वीर कुंवर सिंह चौक स्थित पगला बाबा दुर्गा मंदिर में रामनवमी पर हवन एवं शस्त्र पूजन किया गया। इस अवसर पर तारापीठ के पुरोहित अमित चक्रवर्ती ने मंदिर परिसर में रखे शस्त्रों को मंत्रोच्चारण के साथ शस्त्र पूजन किया। मान्यता के अनुसार राम और रावण के बीच युद्ध लंबा चला था। समस्त देवी-देवताओं ने अपने विशेष अस्त्र और शस्त्र भगवान राम को रावण के वध के लिए दिए और जब रावण का वध हो गया। तब भगवान श्रीराम ने इन शस्त्रों का पूजन कर वापस उन देवताओं को लौटाया था। इन शस्त्रों में देवी-देवताओं ऋषि-मुनियों की ओर से दिये गये शस्त्र शामिल थे। तभी से दशहरे पर शस्त्र पूजन की परंपरा चली आ रही है। शस्त्र पूजा में ठाकुर श्याम सुंदर सिंह, उमाशंकर चौबे, भाष्कर अजित सिंह, पंकज मिश्रा, मिथलेश सिंह, राजीव रंजन आदि मौजूद थे।

सफलता के शिखर पर पहुंचने के बाद अचानक लापता हुए ये सितारे

● आज तक अनसुलझी है गुमनामी की कहानी

कुछ सितारों की किस्मत चमकती है तो कुछ की जिंदगी रहस्यों के अंधेरे में खो जाती है। आज हम बात करेंगे उन सितारों की, जिन्होंने कभी सिनेमा के पर्दे पर अपनी चमक बिखेरी, लेकिन फिर अचानक गुमनामी के साए में खो गए। बॉलीवुड की चमक-दमक वाली दुनिया में हर दिन नई कहानियां बनती हैं और पुरानी कहानियां धूल में दब जाती हैं। यहां सितारे रातों-रात आसमान पर चढ़ते हैं और कभी-कभी उसी तेजी से गायब भी हो जाते हैं। कुछ सितारों की किस्मत चमकती है तो कुछ की जिंदगी रहस्यों के अंधेरे में खो जाती है। आज हम बात करेंगे उन सितारों की, जिन्होंने कभी सिनेमा के पर्दे पर अपनी चमक बिखेरी, लेकिन फिर अचानक गुमनामी के साए में खो गए। उनके बारे में न परिवार को कुछ पता है, न फैंस को।

राज किरण

80 के दशक में राज किरण बॉलीवुड के एक चमकते सितारे थे। कर्ज, तेरी मेहरबानियां, घर हो तो ऐसा और बुलंदी जैसी फिल्मों में उनकी मौजूदगी दर्शकों को खींचती थी। उनका हैंडसम लुक और सादगी भरा अभिनय उन्हें इंडस्ट्री में अलग पहचान देता था, लेकिन 90 के दशक आते-आते उनका करियर ढलान पर चला गया। काम कम होने लगा और फिर एक दिन वो अचानक गायब हो गए। साल 1994 के बाद उन्हें किसी ने नहीं देखा। उनके गायब होने की वजह को लेकर भी कई तरह की कहानियां हैं। कुछ का कहना है कि पारिवारिक और आर्थिक परेशानियों ने उन्हें डिप्रेशन में धकेल दिया। एक वक्त ऐसा आया कि उनके परिवार ने भी उनका साथ छोड़ दिया। 2011 में ऋषि कपूर ने खबर दी कि राज किरण अमेरिका के अटलांटा में एक मेंटल असाइलम में हैं। वहीं, उनकी को-स्टार दीप्ति नवल ने दावा किया कि उन्होंने राज को अमेरिका में टैक्सी चलाते देखा था, लेकिन इन बातों की सच्चाई कभी सामने नहीं आई। उनकी बेटी रिशिका ने कहा कि उनके पिता बेहद निजी इंसान थे और परिवार को सुर्खियों से दूर रखते थे।

विशाल ठक्कर

विशाल ठक्कर का नाम सुनते ही मुन्ना भाई एमबीबीएस का वो छोटा-सा किरदार याद आता है, जिसने अपनी मासूमियत से सबका ध्यान खींचा था। चांदनी बार और टैंगो चार्ली जैसी फिल्मों में भी वह नजर आए। विशाल का करियर धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा था, लेकिन 31 दिसंबर 2016 की रात उनकी जिंदगी का आखिरी चैप्टर बन गई। उस रात वो अपनी मां से 500 रुपये लेकर फिल्म देखने गए। रात एक बजे उन्होंने पिता को मैसेज किया कि वो दोस्तों के साथ पार्टी करने जा रहे हैं। इसके बाद उनका फोन स्विच ऑफ हो गया और वो कभी लौटकर नहीं आए।

पुलिस ने खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। कुछ का मानना है कि पार्टी में कुछ गलत हुआ होगा, पर सच क्या है, ये आज तक रहस्य ही है। विशाल की मां आज भी अपने बेटे के लौटने की उम्मीद में जी रही हैं। एक उभरता सितारा, जिसके पास सपने थे, अचानक गायब हो गया।

जैस्मिन धुन्ना

1988 में रिलीज हुई हॉरर फिल्म वीराना की चुड़ैल जैस्मिन धुन्ना को कौन भूल सकता है? उनकी खूबसूरती और डरावनी अदाएं उस दौर में चर्चा का विषय बन गई थीं। फिल्म सुपरहिट रही और जैस्मिन रातों-रात स्टार बन गईं, लेकिन इसके बाद वो अचानक गायब हो गईं। कहा जाता है कि उनकी खूबसूरती पर एक अंडरवर्ल्ड डॉन की नजर पड़ गई थी। डर के मारे जैस्मिन ने फिल्म इंडस्ट्री छोड़ दी और कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक विदेश चली गईं।

क्या वो सचमुच अंडरवर्ल्ड के डर से भागीं? या उनकी जिंदगी में कोई और मोड़ आया? कोई नहीं जानता। उनकी गुमनामी आज भी बॉलीवुड के सबसे बड़े रहस्यों में से एक है।

काजल किरण

काजल किरण 70 और 80 के दशक की मशहूर अभिनेत्री थीं। हम किसी से कम नहीं, मुकद्दर का सिकंदर और शोले जैसी फिल्मों में उनकी छोटी-छोटी भूमिकाएं भी यादगार थीं। उनकी खूबसूरती और अभिनय ने उन्हें इंडस्ट्री में एक खास जगह दी, लेकिन उनकी आखिरी फिल्म आखिरी संघर्ष (1988) के बाद वो गायब हो गईं। कहा जाता है कि शादी के बाद उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली, लेकिन सच क्या है, ये कोई नहीं जानता। एक बार ऋषि कपूर ने सोशल मीडिया पर उनकी तलाश में पोस्ट डाली थी पर कोई जवाब नहीं मिला। काजल किरण की गुमनामी उनकी आखिरी फिल्म के नाम की तरह ही एक संघर्ष बनकर रह गई।

मालिनी शर्मा

2002 की हॉरर फिल्म राज में मालिनी शर्मा की चीखें आज भी लोगों के कानों में गूंजती हैं। बिपाशा बसु और डीनो मोरिया के साथ इस फिल्म में मालिनी ने एक भूतनी का किरदार निभाया था, जो फिल्म की जान थी। उनकी परफॉर्मेंस ने दर्शकों को डराया भी और लुभाया भी, लेकिन राज की सफलता के बाद मालिनी कहीं खो गईं। फिल्म से पहले वो म्यूजिक वीडियो और एक टीवी शो में नजर आई थीं, लेकिन इसके बाद उनका करियर ठप हो गया। बिपाशा और डीनो आगे बढ़ गए, पर मालिनी गुमनामी के अंधेरे में छिप गईं। आज वो कहा हैं, क्या कर रही हैं- ये सवाल अनसुलझा है।

अभिनेत्री अमीषा पटेल ने फिल्म सिकंदर में सलमान खान और रश्मिका मंदाना के बीच उम्र के बड़े अंतर पर अपने विचार साझा किए।

अमीषा ने सिकंदर में सलमान और रश्मिका की उम्र के बड़े अंतर के बारे में बात की

बातचीत के दौरान अमीषा ने कहा, मेरी और सनी जी (सनी देओल) की उम्र में भी काफी अंतर है - 20 साल से ज्यादा, लेकिन जब फिल्म चल जाती है, तो सब कुछ माफ हो जाता है।

याद दिला दें कि अमीषा ने सनी देओल के साथ दो बार गदर-एक प्रेम कथा और गदर 2 में काम किया है। ये दोनों ही फिल्में टिकट काउंटर पर काफी सफल रहीं। यहां यह बात ध्यान देने वाली है कि अमीषा और सनी की उम्र में 18 साल का अंतर है। इस बीच, सिकंदर के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में बात करते हुए सलमान ने सुपरस्टार्स और छोटी अभिनेत्रियों के बीच उम्र के बड़े अंतर के बारे में बात की। फिल्म इंडस्ट्री में विकसित हो रहे बदलावों पर अपने विचार साझा करते हुए सलमान ने अपने खास अंदाज में कहा कि मेरे और हीरोइन के बीच 31 साल का अंतर है। हीरोइन को यह समस्या नहीं है। हीरोइन के पिता को यह समस्या नहीं है। इसके बाद, उन्होंने रश्मिका की ओर मुड़कर पूछा कि आपको यह समस्या नहीं है, है ना? बॉलीवुड में बुजुर्ग हीरो का अपनी उम्र से कम उम्र की हीरोइनों के साथ रोमांस करना कोई असामान्य बात नहीं है।

कहां कभी लिपस्टिक-नेलपॉलिश बेचता था ये एक्टर

जया बच्चन के एक कॉल ने बदल दी जिंदगी और बना डाला स्टार

बॉलीवुड में हर कोई यूं रातोंरात स्टार नहीं बन जाता. ऐसे कई एक्टर्स हैं जिन्होंने अपना करियर फर्श से शुरू किया और अर्श तक पहुंच गए. आज हम आपको एक ऐसे ही एक्टर के बारे में बता रहे हैं. एक्टर ने अपना पेट भरने के लिए बसों में लिपस्टिक और नेल पॉलिश भी बेची. लेकिन उनके पैशन ने आज उन्हें स्टार बना दिया. उनके यहां तक पहुंचने में एक्ट्रेस जया बच्चन का बहुत बड़ा योगदान रहा है. चलिए आपकी इस एक्टर से मिलवाते हैं.

हम बात कर रहे हैं बॉलीवुड के चहेते और कमाल के एक्टर अरशद वारसी की. आज कामयाबियों की राह छूते अरशद वारसी अपने जीवन में कई बुरे वक्त का सामना कर चुके हैं. अरशद जब 18 साल के थे तब ही उनके पिता का बोन कैंसर की वजह से निधन हो गया. मां भी किडनी फेलियर की वजह से चल पड़ी. माता-पिता के देहांत के बाद अरशद का सबकुछ लूट गया. लेकिन उनके अंदर जज्बा था कुछ कर दिखाने का. बाद में अरशद अपने भाई के साथ छोटे से घर में शिफ्ट हो गए. समय ऐसा भी आया जब अरशद को अपना पेट पालने के लिए बसों में कभी लिपस्टिक तो कभी नेल पॉलिश बेचना पड़ा. एक्टर को डांस का बेहद शौक था. इसी शौक को आगे बढ़ाते हुए अरशद ने अकबर सामी का डांस ग्रुप ज्वाइन कर लिया. इस डांस ग्रुप में वो कोरियोग्राफर की तरह काम करने लगे थे.

इस दौरान अरशद ने अलीक पदमसी और भरत डोभलकर के साथ भी काम किया. इस बीच उन्हें जॉय ऑगस्टीन की मूवी का ऑफर मिला था. लेकिन वो एक्टिंग नहीं करना चाहते थे. ऐसे ही एक दिन उन्हें जया बच्चन ने बुलाया और तेरे मेरे सपने फिल्म में काम करने को कहा. अरशद रेडी हो गए और उन्होंने ठान लिया कि अब वो फिल्मी दुनिया में अपना करियर बनाएंगे. इस तरह एक्टर की लाइफ पूरी तरह बदल गई.

'सिकंदर' की कमाई में बड़ी गिरावट, 100 करोड़ी के क्लब से दूर

सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' से दर्शकों को काफी उम्मीदें थीं। हालांकि, इस साल बॉक्स ऑफिस पर सलमान का जादू फीका पड़ता दिख रहा है। रिलीज के 7 दिन बाद भी 'सिकंदर' अभी तक 100 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल नहीं हो पाई है। इसके अलावा फिल्म का मूल बजट का आधा भी नहीं वसूल हो पाया है। इससे पता चलता है कि 'सिकंदर' बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही। सलमान खान डेढ़ साल बाद 'सिकंदर' के साथ बॉक्स ऑफिस पर वापसी करने जा रहे थे। इसलिए सभी को उम्मीद थी कि यह फिल्म पहले दिन ही शानदार ओपनिंग करेगी। हालांकि, फिल्म ने पहले दिन केवल 26 करोड़ रुपये कमाए। देश भर में 'सिकंदर' को मिली दर्शकों की संख्या को देखते हुए यह राजस्व बहुत कम है। ऐसा देखा जा रहा है कि 'सिकंदर' की कमाई दिन-ब-दिन कम होती जा रही है। ईद जैसे बड़े त्योहार के बावजूद फिल्म ने सिर्फ 29 करोड़ रुपये का ही कलेक्शन किया। इसके बाद तीसरे दिन फिल्म की कमाई घटकर 19.5 करोड़ रुपये पर आ गई। चौथे दिन यह आंकड़ा 9.75 करोड़, पांचवें दिन 6 करोड़ और सातवें दिन गिरकर सिर्फ 3.75 करोड़ रुपये रह गया। स्पष्ट है कि शुरूआती जोश के बाद फिल्म की रफ्तार लगातार धीमी होती गई है, जो मेकर्स के लिए चिंता का विषय बन गई है। 7वें दिन फिल्म ने महज 3.75 करोड़ रुपये कमाए, जिससे इसकी कुल कमाई 97.50 करोड़ रुपये तक पहुंची है। मुकाबले में देखा जाए तो सलमान की पिछली फिल्म 'टाइगर 3' ने सातवें दिन ही 219.4 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया था। 'सिकंदर' अभी तक 100 करोड़ के पास भी नहीं पहुंच सकी, जो सलमान जैसे सुपरस्टार के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। सलमान खान की सिकंदर में सलमान खान, रश्मिका, दिवंगत अभिनेत्री स्मिता पाटिल के बेटे प्रतीक बब्बर, सत्यराज, शरमन जोशी, काजल अग्रवाल, किशोर और संजय कपूर महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्देशन एआर मुरुगादॉस ने किया है।

चार मैचों में लगातार हार पर बोले विटोरी-

हमें पता है इसके क्या नतीजे हो सकते हैं

एजेंसी

हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) में लगातार चार मैच हार चुकी सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) की टीम के हेड कोच डेनियल विटोरी ने अपने टॉप ऑर्डर के एग्रेसिव स्टाइल का बचाव किया है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि बल्लेबाजों को परिस्थितियों का सम्मान करना होगा और यह समझना होगा कि विरोधी टीमें एसआरएच के टॉप-3 बल्लेबाजों के खिलाफ काफी रणनीति बनाकर उतर रही हैं।

एसआरएच को रविवार रात गुजरात टाइटन्स ने 7 विकेट से हरा दिया। यह आईपीएल 2025 में एसआरएच की लगातार चौथी हार थी।

हैदराबाद में गुजरात टाइटंस के खिलाफ एसआरएच की बैटिंग एक बार फिर बिखर गई। टीम ने 20 ओवर में 152/8 का स्कोर बनाया, जिसे गुजरात ने सिर्फ 16.4 ओवर में तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया।

मैच के बाद विटोरी ने कहा, 'हम जानते हैं कि हमारा खेलने का तरीका काम करेगा, लेकिन हमें परिस्थितियों का सम्मान करना होगा। ये चीज हम सही से नहीं कर पा रहे हैं। विरोधी टीमें हमारे टॉप-3 बल्लेबाजों के खिलाफ काफी सोच-समझकर गेंदबाजी कर रही हैं और हम उसका तोड़ नहीं निकाल पा रहे।'

कोच विटोरी ने बताया कि यह पिच 'टिपिकल हैदराबाद विकेट' जैसी नहीं थी और बल्लेबाजों के लिए खेलना मुश्किल हो रहा था। उन्होंने कहा, 'हम 160-170 के स्कोर का टारगेट कर रहे थे। हमें लगा कि अगर बल्लेबाज जमकर खेलें और अंत में तेजी से रन बटोरें, तो यह स्कोर संभव है। लेकिन हम करीब 20 रन पीछे रह गए।'

एसआरएच ने इस सीजन की शुरूआत धमाकेदार तरीके से की थी, जब उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 286 रन बनाए थे। लेकिन उसके बाद टीम का प्रदर्शन लगातार गिरा है। विटोरी ने कहा, 'मैं नहीं मानता कि पैट कमिंस कभी घबराते हैं और मैं भी ऐसा नहीं करता। लेकिन हम यह समझते हैं कि लगातार चार मैच हारना हमारे सीजन को मुश्किल बना सकता है।'

उन्होंने आगे कहा, 'पिछले चार मैचों में हम अपनी बेस्ट क्रिकेट नहीं खेल पाए हैं झ्र चाहे वो बैटिंग हो, बॉलिंग हो या फील्डिंग। खासकर फील्डिंग में हमारा प्रदर्शन बहुत खराब रहा है।'

विटोरी ने माना कि हार का ठीकरा सिर्फ बल्लेबाजों पर फोड़ना सही नहीं होगा। उन्होंने कहा, 'पिछले साल हम बड़े स्कोर बनाते थे और फिर गेंदबाजी में जूझते थे, लेकिन इस बार हम स्कोर ही नहीं बना पा रहे हैं। लेकिन अच्छी बात यह है कि आईपीएल में वापसी के मौके जल्दी आते हैं। अगर हम एकजुट होकर खेलें तो अब भी टीम में बहुत क्षमता है।' एसआरएच का अगला मुकाबला 12 अप्रैल को पंजाब किंग्स के खिलाफ है, और टीम को वापसी के लिए तीनों विभागों में सुधार करना जरूरी होगा।

इंटर मियामी को टोरंटो एफसी ने 1-1 की बराबरी पर रोका

एजेंसी

नई दिल्ली। फोर्ट लॉडरडेल, फ्लोरिडा में रविवार रात लियोनेल मेसी की इंटर मियामी और फेडेरिको बेर्नार्डेस्की की टीम टोरंटो एफसी के बीच खेला गया मुकाबला 1-1 से ड्रॉ समाप्त हुआ। गए मुकाबले में मेसी और फेडेरिको बेर्नार्डेस्की ने अपनी अपनी टीमों के लिए एक-एक गोल किए। इस ड्रॉ के साथ इंटर मियामी (4-0-2, 14 अंक) ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में पहले स्थान से फिसल गई, जबकि टोरंटो एफसी (0-4-3, 3 अंक) ने एक मुश्किल मुकाबले से अंक हासिल किया। पूरी ताकत के साथ उतरी इंटर मियामी, फिर भी जीत नहीं मिली इंटर मियामी की इस नाकामी को और निराशाजनक इसलिए भी माना जा रहा है क्योंकि टीम में लियोनेल मेसी के साथ लुइस सुआरेज, जॉर्डी अल्बा और सर्जियो बुस्केट्स जैसे दिग्गज खिलाड़ी शुरूआत से ही मैदान पर मौजूद थे। बावजूद इसके टीम दो बार गोल करने के बाद भी स्कोरबोर्ड पर बढ़त नहीं बना

सकी, क्योंकि एक गोल को ऑफसाइड और दूसरे को फाउल करार देकर खारिज कर दिया गया।

पहले टोरंटो ने मारा गोल, फिर मेसी ने दिलाई बराबरी

दूसरे हाफ की शुरूआत में, 47वें मिनट में लोरेंजो इन्सिन्ये के क्रॉस पर बेर्नार्डेस्की ने शानदार कंट्रोल दिखाते हुए दो डिफेंडरों से घिरे होने के बावजूद गोल कर टोरंटो को 1-0 की बढ़त दिलाई।

हालांकि, मेसी ने हाफ टाइम से ठीक पहले पांचवें मिनट की इंजरी टाइम में जवाबी हमला करते हुए टेलास्को सेगोविया की पास पर बॉक्स के बाहर से बाएं पैर से शानदार गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। यह मेसी का इस सीजन एमएलएस में तीसरा और सभी प्रतियोगिताओं में कुल छठा गोल रहा।

आईपीएल 2025 : सनराइजर्स हैदराबाद की लगातार चौथी हार, गुजरात ने 7 विकेट से हराया

हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में रविवार को राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम, हैदराबाद में खेले गए मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद को 7 विकेट से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। वहीं, हैदराबाद की यह लगातार चौथी हार रही, जिससे उसकी स्थिति टूनार्मेंट में और कमजोर हो गई है। हैदराबाद की ओर से मिले 153 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस की शुरूआत लड़खड़ाई और टीम ने तीसरे ओवर तक अपने दोनों सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन (5 रन) और जोस बटलर (0 रन) को गंवा दिया। लेकिन कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 61 रन) और ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर (49 रन) ने तीसरे विकेट के लिए 90 रनों की बेहतरीन साझेदारी कर टीम को संभाल लिया। गिल ने 43 गेंदों में 9 चौकों की मदद से शानदार अर्धशतक जड़ा। वहीं सुंदर ने 29 गेंदों में 5 चौके और 2 छक्के लगाकर 49 रन बनाए, जो उनका आईपीएल करियर का सर्वोच्च स्कोर रहा। सुंदर के आउट होने के बाद शेरफाने रदरफोर्ड ने 16 गेंदों में नाबाद 35 रन की तेज तर्रार पारी खेली और गिल के साथ 21 गेंद में 47 रनों की साझेदारी करते हुए 16.4 ओवर में ही टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। हैदराबाद के लिए मोहम्मद शमी ने दो विकेट और पैट कमिंस ने एक विकेट अपने नाम किया। इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए हैदराबाद की टीम पूरी तरह संघर्ष करती दिखी और 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 152 रन बनाए। टीम के लिए नीतीश रेड्डी (31), हेनरिच क्लासेन (27) और कप्तान पैट कमिंस (22 नाबाद) ने कुछ योगदान जरूर दिया, लेकिन सिराज की धारदार गेंदबाजी के आगे पूरी टीम दबाव में दिखी। मोहम्मद सिराज ने 17 रन देकर 4 विकेट झटके। उनके अलावा प्रसिद्ध कृष्णा और साई किशोर ने दो-दो विकेट लेकर सनराइजर्स को पहले बल्लेबाजी करते हुए 152 रन तक सीमित कर दिया।

रुद्रांक्ष ने शूटिंग वर्ल्ड कप में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में जीता गोल्ड, बाबूता सातवें स्थान पर

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष बलासाहेब पाटिल ने रविवार को अर्जेंटीना में चल रहे आईएसएसएफ शूटिंग वर्ल्ड कप में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा का गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वहीं, भारत के ही अर्जुन बाबूता फाइनल में सातवें स्थान पर रहे।

शानदार शुरूआत से अंत तक छाए रहे रुद्रांक्ष

रुद्रांक्ष ने फाइनल की शुरूआत से ही बढ़त बना ली थी। पहले सीरीज में 53.2 अंक जुटाकर वह टॉप पर रहे और पूरे फाइनल के दौरान अपनी पकड़ बनाए रखी।

हंगरी के इस्तवान पेनी एक बार उन्हें चुनौती देने की स्थिति में आए, लेकिन रुद्रांक्ष ने जल्द ही वापसी करते हुए गोल्ड मेडल पक्का कर लिया। पेनी को सिल्वर से संतोष करना पड़ा।

बाबूता नहीं दिखा सके दम, जल्दी हुए बाहर

दूसरी ओर अर्जुन बाबूता का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। उन्होंने शुरूआती पांच शॉट्स में सिर्फ 50.4 अंक हासिल किए। हालांकि एक 10.5 स्कोर ने उन्हें पहले एलिमिनेशन से बचा लिया, लेकिन अगली सीरीज में वह बाहर हो गए और सातवें स्थान पर रहे।

चीन और अर्जेंटीना के निशानेबाजों ने दी टक्कर

चीन के वांग होंघाओ ने कई बार एलिमिनेशन से खुद को बचाया, लेकिन ब्रॉन्ज मेडल की दौड़ में वह अर्जेंटीना के एम.जे. गुटिरेज से पिछड़ गए। गुटिरेज ने घरेलू दर्शकों के सामने कांस्य पदक अपने नाम किया।

क्वालिफिकेशन में भारतीयों का दबदबा

इससे पहले क्वालिफिकेशन राउंड में बाबूता और रुद्रांक्ष ने क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया। बाबूता ने 634.5 और रुद्रांक्ष ने 633.7 स्कोर किया। किरण अंकुश जाधव ने भी टॉप आठ में जगह बनाई लेकिन वह आरपीओ (रैंकिंग पॉइंट्स ओनली) के तहत खेल रहे थे, जिससे वह फाइनल में जगह नहीं बना सके। दिव्यांश सिंह पंवार (628.0, आरपीओ) और हृदय हजारिका (624.6) भी प्रतियोगिता में शामिल रहे।

स्पीकर ने वक्फ विधेयक पर चर्चा से किया इनकार, कहा मामला न्यायालय में विचाराधीन

एजेंसी

जम्मू । जम्मू-कश्मीर विधानसभा के अध्यक्ष ने सोमवार को वक्फ (संशोधन) विधेयक-2025 पर चर्चा से इनकार करते हुए कहा कि मामला विचाराधीन है।

सदन की कार्यवाही शुरू होते ही नेशनल कॉन्फ्रेंस ने संसद द्वारा पारित वक्फ (संशोधन) विधेयक-2025 पर चर्चा की मांग करते हुए खड़े हो गए। नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक तनवीर सादिक ने मांग की कि मुस्लिम बहुल राज्य जम्मू-कश्मीर में वक्फ विधेयक पर चर्चा होनी चाहिए। अगर केंद्र द्वारा लाए गए जीएसटी कानून पर जम्मू-कश्मीर विधानसभा में चर्चा हुई तो वक्फ विधेयक पर चर्चा क्यों नहीं हो सकती। हालांकि अध्यक्ष ने कहा कि मामला विचाराधीन हो गया है क्योंकि इसे देश की सर्वोच्च अदालत में चुनौती दी गई है। सदन में प्रक्रिया और व्यवसाय संचालन नियमों के नियम 58 के उप-नियम (7) का हवाला देते हुए अध्यक्ष ने घोषणा की कि उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस और शेख खुर्शीद के विधायकों द्वारा पेश किए गए स्थगन प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है। स्पीकर के इस फैसले से सदन में नेशनल कॉन्फ्रेंस, कांग्रेस और पीडीपी विधायकों ने विरोध जताया। वक्फ बिल ना मंजूर के नारे लगाते हुए ट्रेजरी बेंच से विधायकों ने वेल में जाने की कोशिश की लेकिन मार्शलों ने उन्हें पोडियम तक पहुंचने से रोक दिया लेकिन वह लगातार व्यवधान पैदा कर रहे थे तो स्पीकर ने सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी।

यह चालू बजट सत्र के दौरान पहली बार था जब स्पीकर ने सदन की कार्यवाही स्थगित की।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर मुख्यमंत्री सरमा का संदेश

गुवाहाटी। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने स्वास्थ्यकर्मियों के प्रति गहरी सराहना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि जो लोग समाज को स्वस्थ रखने के लिए अपनी ड्यूटी से कहीं बढ़कर काम करते हैं, हम उनके प्रति अपना आभार प्रकट करते हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य संस्थानों को मजबूत करने, स्वास्थ्य पेशेवरों को प्रोत्साहित करने और सस्ती स्वास्थ्य सेवाओं को सार्वभौमिक बनाने के लिए संसाधनों को प्राथमिकता देना जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ समाज की नींव मजबूत स्वास्थ्य व्यवस्था पर टिकी होती है और यह सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

बिहार में मौसम लेगा करवट, राज्य के 32 जिलों में बारिश का अलर्ट

पटना। बिहार में मौसम करवट लेने वाली है। इसको लेकर अलर्ट जारी किया गया है। पटना के मौसम विज्ञान केंद्र ने राज्य के 6 जिलों को छोड़कर बाकी 32 जिलों में बारिश, वज्रपात, मेघगर्जन के साथ साथ तेज हवा चलने का अलर्ट जारी किया है।

आईएमडी ने 10 और 11 अप्रैल के लिए यह अलर्ट जारी किया है।

पटना मौसम विज्ञान केंद्र ने 10 और 11 अप्रैल को बिहार के कई जिलों में भयंकर बारिश होने की संभावना जताई है। इन जिलों में पटना, गया, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, औरंगाबाद, बेगूसराय, जहानाबाद, नवादा, नालंदा, मुंगेर, सारण, वैशाली, गोपालगंज, सीतामढ़ी, पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण, मधुबनी, अररिया, पूर्णिया, किशनगंज, कटिहार, सहरसा, सुपौल, खगड़िया, लखीसराय, जमुई, शेखपुरा, समस्तीपुर, शिवहर, बांका, और मधेपुरा शामिल हैं। इस दौरान इन जिलों में 30-40 किमी प्रति घंटा की गति से हवा चलने का भी पूवार्नुमान है।

पटना मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि एक वेस्टर्न विक्षोभ एक्टिव हो रहा है, जिसका असर बिहार में भी दिखाई दे सकता है। इस वजह से 7 से 11 अप्रैल तक प्रदेश का मौसम बदला हुआ रहेगा। इस अवधि में अधिकांश जिलों में बारिश होने की संभावना है, और आइएमडी ने इसके लिए येलो अलर्ट जारी किया है। बारिश के अलावा बिहार के कई जिलों में ठनका गिरने और तेज हवा चलने की भी संभावना है। ऐसे मौसम में किसानों को एहतियात बरतने की सलाह दी गई है।

डोनाल्ड ट्रंप की टीम ने टैरिफ का बचाव किया

एजेंसी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शीर्ष सहयोगी शनिवार को विभिन्न मीडिया आउटलेट्स पर पहुंचे और टैरिफ का बचाव किया। कुछ ने कहा कि उन्होंने पहले ही विदेशी देशों की प्रतिक्रिया सुनी। यह देश अब सौदा करने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप के शीर्ष आर्थिक सलाहकारों ने दुनिया भर के वित्तीय बाजारों में उथल-पुथल को खारिज कर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह व्यापार युद्ध अंततः अमेरिका के आर्थिक भाग्य को बेहतर बनाएगा। न्यूयॉर्क टाइम्स के विश्लेषण में कहा गया कि ब्रेक्सिट की तरह ट्रंप के टैरिफ ने स्थापित व्यवस्था पर बड़ा प्रहार किया है। वैश्विक वाणिज्य के आधार के रूप में यूएस की स्थिति का मतलब है कि ट्रंप के कदम का व्यापक प्रभाव पड़ रहा है। हालांकि ब्रेक्सिट की तरह अंतिम परिणाम भी अनिश्चित हैं। ट्रंप अभी भी अपने फैसले को उलट सकते हैं। आशावादी बताते हैं कि यूरोपीय संघ ब्रिटेन के जाने के बाद भी नहीं टूटा। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि अर्थशास्त्रियों ने कहा कि मुक्त व्यापार का उदय अपरिवर्तनीय हो सकता है। इसके लाभ इतने शक्तिशाली हैं कि बाकी दुनिया इस प्रणाली को जारी रखने का कोई रास्ता खोज सकती है। कई लोगों का मानना है कि टैरिफ दर अपेक्षा से कहीं अधिक है और इसने अमेरिका के कारपोरेट जगत को अराजकता में डाल दिया। वॉल स्ट्रीट अभी भी पिछले सप्ताह के नतीजों से उबर नहीं पाया है।

सीएनएन की खबर के अनुसार, इस टैरिफ से शेयर बाजार में बिकवाली और मंदी की आशंका पैदा हो गई है। ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों ने रविवार को टेलीविजन नेटवर्क पर राष्ट्रपति के व्यापक टैरिफ का बचाव किया। अधिकारियों ने तर्क दिया कि आयात कर पहले से ही दर्जनों देशों को सौदेबाजी की मेज पर आने के लिए मजबूर कर रहे हैं। कृषि सचिव ब्रुक रोलिंस ने कहा कि 50 देशों ने इस मसले पर राष्ट्रपति ट्रंप से बातचीत करने के लिए इच्छुक हैं। उनके फोन व्हाइट हाउस में घनघना रहे हैं। व्हाइट हाउस के वरिष्ठ सलाहकार पीटर नवारो ने कहा कि घबराएं नहीं। ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने ने मीट द प्रेस के दौरान मंदी की भविष्यवाणी करने वाले अर्थशास्त्रियों और बैंकों की चेतावनियों को खारिज कर दिया।

सरकार का संकल्प, किसी के साथ नहीं होगा अन्याय : सीएम

अफसरों को दिए निर्देश, त्वरित व संतुष्टिपरक हो समस्याओं का समाधान

एजेंसी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन, सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 300 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कि किसी को भी घबराने या परेशान होने की जरूरत नहीं है। हर पीड़ित व्यक्ति की शिकायत पर सुनिश्चित कार्रवाई करते हुए समस्या का समाधान कराया जाएगा। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लोगों की समस्याओं का निस्तारण उनकी सरकार की विशेष प्राथमिकता है। पीड़ितों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता से लेते हुए उनका समाधान त्वरित और संतुष्टिपरक तरीके से कराना सुनिश्चित कराएं।

जनता दर्शन के दौरान सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर परिसर में महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद गए और एक-एक कर उनकी समस्याओं को सुना। सबको आश्वस्त किया कि किसी को भी चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, सबकी समस्या का समाधान हरहाल में किया जाएगा। सरकार का संकल्प है कि किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं जमीन से जुड़े विवादों में प्रार्थना पत्र लेकर पहुंची थीं। कुछ की शिकायत थी कि दबंग उनकी जमीनों पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। इन शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जमीन कब्जाने में पेशेवर प्रवृत्ति वालों को भू माफिया के रूप में चिन्हित कर सख्ती की जाए। किसी भी गरीब की जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई करें जो नजीर बने। जमीनी विवादों का समाधान तत्परतापूर्वक इस तरह होना चाहिए जिससे पीड़ित व्यक्ति संतुष्ट दिखे।जनता दर्शन में प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। पारिवारिक रिश्तों को लेकर विवाद संबंधी शिकायतों पर सीएम ने अफसरों से कहा कि सबसे पहले इसमें सभी पक्षों को एकसाथ बैठाकर संवाद करने की जरूरत है। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं अपने बच्चों को लेकर आई थीं। मुख्यमंत्री ने बच्चों को दुलारकर आशीर्वाद दिया। उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा और चॉकलेट गिफ्ट कर उन्हें खूब पढ़ने को प्रेरित किया।

सीएम योगी ने मोर को खिलाया केला, बच्चों को दिया चॉकलेट

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सोमवार सुबह की दिनचर्या परंपरागत रही। प्रातः काल गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने तथा अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर मत्था टेकने के बाद वह मंदिर परिसर के भ्रमण पर निकले। गोशाला जाकर मुख्यमंत्री ने गोसेवा की। गोशाला के समीप एक मोर को रोटी और केला खिलाकर उस पर अपना स्नेह लुटाया। मंदिर परिसर का भ्रमण करने के दौरान सीएम योगी की नजर अपने परिजनों संग आए बच्चों पर पड़ी तो उन्होंने बच्चों को पास बुला लिया। उनसे हंसी ठिठोली करके खूब प्यार-दुलार किया और चॉकलेट गिफ्ट की। एक नन्हा बच्चा चॉकलेट का रैपर नहीं खोल पा रहा तो मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से रैपर हटाकर उसे खाने को दिया।

चौंकी इंचार्ज का जूता पहन कर मंदिर में जाने का वीडियो वायरल

एजेंसी

जौनपुर । पूर्वांचल में आस्था का प्रतीक मां शीतला धाम चौकियां में नवरात्र की अष्टमी पर एक विवादास्पद घटना सामने आई है। धाम परिसर में चौकियां धाम के चौकी इंचार्ज ईशचंद यादव का जूते पहनकर मंदिर परिसर में घूमने का वीडियो सोशल मीडिया पर सोमवार को तेजी से वायरल हो गया है।

वीडियो में चौकी इंचार्ज मंदिर परिसर में जूते पहने हुए कुछ लोगों से बातचीत करते नजर आ रहे हैं। इस घटना ने मंदिर के पुजारियों, पंडा समाज और स्थानीय लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया है। मंदिर के महंत विवेकानंद पंडा ने कहा कि पुलिस कर्मी ड्यूटी के दौरान भी मंदिर में जूते पहनकर नहीं आ सकते।

पुजारियों का आरोप है कि चौकी प्रभारी का व्यवहार आम लोगों और क्षेत्रीय दुकानदारों के साथ भी उचित नहीं है। उनका कहना है कि चौकी प्रभारी की अक्सर लोगों से कहासुनी होती रहती है।

इस मामले में चौकी इंचार्ज का कहना है कि वे मंदिर परिसर में नहीं, बल्कि बाहर खड़े थे। इस संबंध में सोमवार को जानकारी लेने पर अपर पुलिस अधीक्षक शहर आयुष श्रीवास्तव ने कहा मामले की जांच कराने और रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

स्टॉक मार्केट में आज ब्लैक मंडे के आसार

शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में जबरदस्त गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली । अमेरिका की नई ट्रेड पॉलिसी के कारण दुनिया भर के बाजारों में मचे हड़कंप का असर घरेलू शेयर बाजार पर भी आज साफ-साफ नजर आ रहा है। स्टॉक मार्केट आज शुरूआती कारोबार में ही 4 प्रतिशत से भी अधिक की गिरावट का शिकार हो गया। जिससे कई साल बाद आज शेयर बाजार में ब्लैक मंडे बनने की आशंका बन गई है। आज के कारोबार की शुरूआत जबरदस्त कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना कर सेंसेक्स और निफ्टी को सहारा देने की कोशिश भी की। इस लिवाली से बाजार की स्थिति में सुधार जरूर हुआ, लेकिन पहले 15 मिनट के कारोबार के बाद ही बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिससे दोनों सूचकांक में एक बार फिर गिरावट का रुख बन गया। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 4.03 प्रतिशत और निफ्टी 4.28 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे।

शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से कोई भी शेयर चौतरफा बिकवाली के दबाव के कारण हरे निशान में कारोबार नहीं कर रहा था। दूसरी ओर ट्रेंट लिमिटेड, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, ओएनजीसी और एचसीएल टेक्नोलॉजी के शेयर 16.55 प्रतिशत से लेकर 6.67 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,531 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से सिर्फ 97 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 2,434 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से कोई भी शेयर हरे निशान में नहीं था। इस सूचकांक के सभी 30 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से भी सभी शेयर लाल निशान में ही कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 3,914.75 अंक टूट कर 71,449.94 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होने के थोड़ी देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से करीब 1,700 अंक उछल कर 73,149.12 अंक तक पहुंच गया, लेकिन इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिससे इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 3,040.87 अंक फिसल कर 72,323.82 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 1,146.05 अंक की जबरदस्त गिरावट के साथ 21,758.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलने के कुछ मिनट बाद ही खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया और आक्रामक अंदाज में लिवाली शुरू कर दी, जिससे पहले 15 मिनट के कारोबार में ही यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से 431.60 अंक उछल कर 22,190 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि बाजार की ये तेजी अधिक देर तक नहीं टिक सकी। सुबह 9:30 बजे के बाद बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 980.60 अंक की कमजोरी के साथ 21,923.85 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स 930.67 अंक यानी 1.22 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 75,364.69 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 345.65 अंक यानी 1.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,904.45 अंक के स्तर पर शुक्रवार के कारोबार का अंत किया था।

न्यूज IN ब्रीफ

प्रधानमंत्री मोदी ने 'स्वस्थ विश्व' बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व स्वास्थ्य दिवस पर आज जारी अपने संदेश में 'स्वस्थ विश्व' बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई है। उन्होंने कहा कि सरकार स्वास्थ्य सेवाओं पर लगातार ध्यान केन्द्रित करेगी। लोगों के स्वास्थ्य के मद्देनजर योजनाओं और संसाधन बढ़ाने पर निवेश जारी रहेगा। अच्छा स्वास्थ्य हर समृद्ध समाज की नींव है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, "विश्व स्वास्थ्य दिवस पर,आइए हम स्वस्थ विश्व बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराएं। हमारी सरकार स्वास्थ्य सेवा पर ध्यान केन्द्रित करती रहेगी तथा लोगों के स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं में निवेश करती रहेगी। अच्छा स्वास्थ्य हर समृद्ध समाज की नींव है! उल्लेखनीय है कि इस साल विश्व स्वास्थ्य दिवस की थीम 'स्वस्थ शुरूआत, आशापूर्ण भविष्य है'। यह थीम माताओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य और उनकी सुरक्षा पर केंद्रित है। यह दिवस विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) स्थापना को समर्पित है। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता बढ़ाना और लोगों को बेहतर जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

सिरफिरे आशिक ने प्रेमिका को चाकू मारा, खुद को भी किया घायल

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले के दिल्ली कैंट थाना इलाके के किबरी पैलेस मेन रोड पर रविवार देर रात एक सिरफिरे आशिक ने अपनी प्रेमिका पर सब्जी काटने वाले चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसके बाद उसने खुद पर भी चाकू से वार कर दिए और घायल होकर सड़क पर गिर गया। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना बीती देर रात साढे.नौ बजे की है। दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने सोमवार को बताया कि घायलों की पहचान अमित (20) और विजयलक्ष्मी (19) के रूप में हुई है।लड़की नांगलदेव में रहती है जबकि लड़का दिल्ली कैंट में कपड़े की दुकान में काम करता है। सूत्रों के अनुसार, यह घटना प्रेम प्रसंग से जुड़ी है। जांच में पता चला है कि आरोपी और पीड़िता के बीच पिछले एक साल से बोल चाल बंद थी। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यह सिरफिरा प्रेमी चीखता-चिल्लाता हुआ अपनी प्रेमिका के पास पहुंचा और पलक झपकते ही उस पर चाकू से वार कर दिया। प्रेमिका का गला कटते ही खून की धार बहने लगी और वह जमीन पर गिर गई। इसके बाद आरोपित ने अपने सीने समेत कई जगह चाकू घोंपकर खुद को भी मौत के हवाले करने की कोशिश की। कुछ देर तक दोनों खून से लथपथ हालत में सड़क पर पड़े रहे, कुछ देर बाद राहगीरों ने युवती के गले से बह रहे खून को रोकने के लिए कपड़ा बांधा। पुलिस के अनुसार लड़की की मां घरों में साफ सफाई का काम करती है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

उपराज्यपाल ने विश्व स्वास्थ्य दिवस पर दीं शुभकामनाएं

श्रीनगर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को विश्व स्वास्थ्य दिवस पर शुभकामनाएं दीं। एक्स के माध्यम से उपराज्यपाल सिन्हा कहा कि विश्व स्वास्थ्य दिवस पर सभी को मेरी शुभकामनाएं। सभी को अच्छे स्वास्थ्य, खुशी और खुशहाली का आशीर्वाद मिले। उन्होंने कहा कि मैं डॉक्टरों और सभी स्वास्थ्य पेशेवरों के समर्पण और अटूट प्रतिबद्धता के लिए उनका आभारी हूं। उनकी निस्वार्थ सेवा मानवता के लिए एक स्वस्थ और उज्जवल भविष्य सुनिश्चित करती है।

शिमला में दो सड़क हादसे, एक महिला की मौत, तीन घायल

शिमला। जिला शिमला के ठियोग और बालूगंज थाना क्षेत्रों में दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाएं सामने आई हैं। इनमें एक महिला की मौत हो गई जबकि तीन लोग घायल हो गए। पुलिस ने दोनों मामलों में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमे दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहली घटना ठियोग क्षेत्र की है। पुलिस के अनुसार कुमारी नेहा पुत्री कामना राम निवासी छैला कांता शर्मा पत्नी हरिदत्त शर्मा निवासी गांव छैला की कार (एचपी09सी-1936) में उनके साथ सवार होकर घर जा रही थीं। रविवार शाम जब वे दसाणा कैंची के पास पहुंचे तो कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। हादसे में कार सवार दोनों महिलाओं को गंभीर चोटें आईं। उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए नागरिक अस्पताल ठियोग ले जाया गया, जहां से उन्हें गंभीर स्थिति को देखते हुए आईजीएमसी शिमला रेफर किया गया। इलाज के दौरान देर रात कांता शर्मा की मौत हो गई। ठियोग पुलिस ने इस हादसे को लेकर बीएनएस की धारा 281, 125(ए) व 106 के तहत मामला दर्ज किया है। शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। दूसरी घटना बालूगंज थाना क्षेत्र की है। प्रेम सिंह पुत्र स्वर्गीय बाला राम, निवासी कंडा जिला शिमला ने पुलिस में दी शिकायत में बताया कि वह अपने भतीजे के साथ स्कूटी (एचपी63-3221) पर कंडा से घनाहट्टी की ओर जा रहे थे। घनाहट्टी के पास सड़क किनारे खड़ी एक कार (एचपी10सी-0304) अचानक सड़क पर आ गई, जिससे उनकी स्कूटी उससे टकरा गई। हादसे में दोनों को चोटें आईं और स्कूटी को भी नुकसान पहुंचा। बालूगंज थाना पुलिस ने प्रेम सिंह के बयान के आधार पर बीएनएस की धारा 281, 125(ए) के तहत मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

ममता बनर्जी की मीटिंग में साजिश की आशंका, कुणाल घोष ने जताई चिंता

कोलकाता । कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में आज सोमवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उन शिक्षकों से मुलाकात करेंगी, जो हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद नौकरी से बाहर हो गए हैं। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम से पहले तृणमूल कांग्रेस के राज्य महासचिव कुणाल घोष ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए विरोधियों द्वारा साजिश रचने की आशंका जताई है। कुणाल घोष ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी संकट की इस घड़ी में नौकरी गंवाने वाले शिक्षकों के लिए एक वैकल्पिक रास्ता तलाशने की कोशिश कर रही हैं। लेकिन हमारे पास कई सूत्रों से खबर आ रही है कि कुछ विपक्षी दल जानबूझकर इस मीटिंग में अशांति फैलाने की साजिश कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट आरोप लगाया कि विरोधी ताकतें नहीं चाहतीं कि ममता बनर्जी का संदेश सीधे उन प्रभावित शिक्षकों तक पहुंचे। घोष ने आगे कहा कि कुछ लोगों को प्रलोभन देकर या बहला-फुसलाकर मीटिंग स्थल के अंदर भेजने की योजना बन रही है, ताकि अंदर अव्यवस्था फैलाकर मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को बाधित किया जा सके। उनका आरोप था कि कुछ छोटे-छोटे समूह बनाकर गेट पर गड़बड़ी कराने की भी कोशिश की जा रही है। उन्होंने शिक्षकों से अपील करते हुए कहा, 'कृपया माकपा और भाजपा द्वारा बिछाए गए जाल में न फंसें। वे आपके संकट का समाधान नहीं चाहते, बल्कि आपके आंदोलन को भटकाना चाहते हैं।' सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद लगभग 26 हजार शिक्षक बेरोजगार हो गए हैं। अब इन शिक्षकों ने सात अप्रैल को एक बड़ी सभा आयोजित की है, जिसमें ममता बनर्जी भी शामिल होंगी। मुख्यमंत्री ने पहले ही भरोसा दिया है कि तीन महीनों के भीतर नया भर्ती प्रोसेस शुरू किया जाएगा।

रामनवमी पर एसडीपीओ, लातेहार रहे मुस्तैद, विधि व्यवस्था भी रही सराहनीय

जिले में शांति पूर्वक रामनवमी संपन्न

विनय मिश्रा

रामनवमी के अवसर पर लातेहार में सीडीपीओ अरविंद कुमार के नेतृत्व में बेहतर विधि व्यवस्था के साथ शांति पूर्वक रामनवमी संपन्न हुई। इस मौके पर एसडीपीओ अरविंद कुमार पूरे क्षेत्र में काफी सक्रिय रूप से मुश्तैद रहे हैं और उन्होंने बेहतर विधि व्यवस्था की कमान संभाल रखी थी। आम लोगों के साथ पुलिस की बेहतर महत्वपूर्ण मैत्रीपूर्ण व्यवस्था का ही यह परिणाम रहा कि पुलिस की सक्रियता और बेहतर विधि व्यवस्था पूर्ण रूप से कारगर रही । इस मौके पर आयोजित समारोह में सीडीपीओ अरविंद कुमार सम्मानित भी किए गए। अखाड़ा एवं जुलूस तथा इस मौके पर निकाली गई भव्य झांकी और कर्तव्य दिखाते लोगों का एसडीपीओ ने ऊर्जा, उत्साह और मनोबल बढ़ाया। इस अवसर पर एसडीपीओ श्री कुमार ने कहा कि- यह पुलिस प्रशासन और लोगों की सहभागिता और बेहतर कार्य का उत्कृष्ट परिणाम का सूचक है। हमें आपसी भाईचारा स्नेह और अपनापन का हमेशा प्रेरणा स्रोत बनना चाहिए ।ऐसे प्रयास का ही सुखद और बेहतर परिणाम है कि आपसी एकजुटता हमें एकता के सूत्र में पिरोती है।

धूमधाम के साथ निकाली गई शोभायात्रा, हजारो लोग हुए शामिल

संवाददाता

बोकारो: भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। रामनवमी के मौके पर बोकारो में विभिन्न जगहों पर आकर्षक शोभायात्रा निकाली गई। इस यात्रा में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। जुलूस और झांकी देखने के लिए सड़कों पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।

बोकारो के रेलवे फाटक के पास से शोभायात्रा की शुरूआत हुई। इस मौके पर बोकारो विधायक श्वेता सिंह, पूर्व विधायक बिरंची नारायण जुलूस में शामिल हुए। शोभा यात्रा में आकर्षक झांकी भी शामिल रही। जिसमें भगवान शिव, मां पार्वती, भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, माता सीता और बजरंगबली की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। राम भक्त राम धुन पर झूमते नजर आए।

ड्रोन से रखी गई शोभायात्रा पर निगरानी: इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने रामनवमी पर्व की सभी को शुभकामनाएं दी। प्रभु श्रीराम सभी की झोली को खुशियों से भर दें। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था भी पूरी तरह से चुस्त और दुरुस्त नजर आई। वहीं बोकारो डीसी विजया जाधव और एसपी मनोज स्वर्गीयारी दल बल के साथ पूरे क्षेत्र में भ्रमण करते नजर आए। जगह-जगह पर मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। जुलूस की सीसीटीवी कैमरे द्वारा निगरानी की जा रही थी। जिला नियंत्रण कक्ष के अलावा सिवानडीह, ऋतुडीह और राम मंदिर में मिनी कंट्रोल रूम बनाया गया गया था। जहां एसडीओ स्तर के पदाधिकारियों को तैनात किया गया था।

रामगढ़ में धूमधाम से मनाई गई रामनवमी, कोडरमा में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने बढ़ाया करतब करने वालों का जोश

रामगढ़/कोडरमाः रामगढ़ जिले में रामनवमी के अवसर पर लगभग एक से बढ़कर एक झांकियां निकाली गई। राम भक्तों ने बढ़-चढ़कर इसमें हिस्सा लिया। वहीं सुरक्षा को लेकर रामगढ़ डीसी चंदन कुमार और एसपी अजय कुमार खुद पूरे जिले के विभिन्न समितियों और झांकियों में पहुंचकर कानून व्यवस्था का जायजा लेते रहे।

रामगढ़ जिले में रामनवमी की धूम देखने को मिली। रामनवमी के अवसर पर पूरे जिले में लगभग 180 झांकियां निकाली गई। इन झांकियों को देखने के लिए हजारों की संख्या में महिला, पुरुष और बच्चे सड़कों पर निकले। इस दौरान राम भक्तों ने शस्त्र चलाकर करबत दिखाएं।

रामनवमी को लेकर जिले के डीसी, एसपी और वरीय अधिकारियों की टीम ने पूरे जिले में सभी स्थलों पर घूम-घूम कर विधि व्यवस्था का जायजा लिया और रामनवमी महासमितियों और रामनवमी के जुलूस और झांकी में शामिल हुए। रामनवमी में किसी भी भक्त या किसी भी व्यक्ति को किसी तरह की कोई परेशानी न हो, इसका पूरा ख्याल महासमिति और जिला पुलिस प्रशासन की ओर से रखा गया।

वहीं रामगढ़ डीसी चंदन कुमार ने बताया कि पूरे जिले के सभी क्षेत्रों में रामनवमी को लेकर पारंपरिक तौर पर जुलूस व भव्य झांकियां निकाली गई। जिला प्रशासन और जिला पुलिस की ओर से पूरी मुकम्मल व्यवस्था की गई। ताकि जिले में किसी भी महासमितियों या जुलूस में शामिल राम भक्तों को किसी भी तरह की कोई परेशानी ना हो।

केंद्रीय मंत्री ने बढ़ाया करतब करने वालों का हौसलाः कोडरमा के झुमरी तिलैया झंडा चौक पर रात तकरीबन 1:00 बजे तक रामनवमी को लेकर झांकी निकालने और शौर्य प्रदर्शन का कार्यक्रम चलता रहा। इस दौरान बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी शामिल हुईं। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री ने अखाड़े द्वारा परंपरागत खेलों के प्रदर्शन के लिए सराहना की।

केंद्रीय मंत्री का हुआ सम्मानः कार्यक्रम में शामिल होने के बाद रामनवमी महासमिति की ओर से केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी को अंग वस्त्र और पगड़ी देकर सम्मानित किया गया। मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

महिलाओं-युवतियों ने दिखाया शौर्य प्रदर्शनः विभिन्न अखाड़ा कमेटियों के सदस्यों की ओर से लाठीबाजी और तलवारबाजी समेत अन्य परंपरागत खेलों का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान झांसी की रानी अखाड़ा कमेटी की ओर से पहली बार बड़ी संख्या में महिलाओं और युवतियों ने शौर्य प्रदर्शन करके लाठी, तलवार और गदा चलाएं।

चैत्र नवरात्र और रामनवमी को लेकर मां छिन्नमस्तिका मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

संवाददाता

रामगढ़ः प्रसिद्ध सिद्धपीठ स्थल मां छिन्नमस्तिका मंदिर में चैत्र नवरात्र और रामनवमी को लेकर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां के दर्शन और पूजन करने पहुंचे। सुबह से देर रात तक भक्तों की भीड़ माता के मंदिर में रहती है।

मां छिन्नमस्तिका मंदिर में होती है हर मुराद पूरीः पुजारी सुबोध पंडा चैत्र नवरात्र और रामनवमी का त्यौहार धूमधाम से पूरे देश में मनाया जा रहा है। भक्त नवरात्र में देवी की आराधना कर रहे हैं। रामनवमी को लेकर भी लोगों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। देश के प्रसिद्ध सिद्धपीठ मां छिन्नमस्तिका मंदिर में अष्टमी को लेकर बड़ी संख्या में भक्त माता के पूजन के लिए पहुंचे ।इसको लेकर मंदिर न्यास समिति और जिला पुलिस प्रशासन की ओर से तैयारी की गयी थी।

मां के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में मंदिर पहुंचे श्रद्धालुः पुजारी मंदिर के पुजारी सुबोध पंडा ने बताया कि अष्टमी के दिन माता के मंदिर के चारों ओर दीप जलाए गए और दीप जलाना सुख समृद्धि का परिचायक माना जाता है। पूरे मंदिर को भव्य तरीके से नवरात्रि के अवसर पर सजाया गया था। नवरात्र में माता को प्रतिदिन अलग-अलग तरह की भोग लगाए गए और प्रतिदिन माता का भव्य श्रृंगार आरती की जाती है। वैसे तो सालों भर भक्त माता के दरबार में दर्शन पूजन करने के लिए आते हैं लेकिन नवरात्र को लेकर भक्त बड़ी संख्या में पहुंचे ।

बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। गर्मी को देखते हुए मंदिर परिसर में पंखे और कूलर को मंदिर न्यास समिति द्वारा ठीक कराया गया है। क्यू कॉम्प्लेक्स को व्यवस्थित किया गया है। ताकि भीड़ में किसी भी श्रद्धालु को माता का पूजा और दर्शन करने में परेशानी का सामना न करना पड़ेः नवीन प्रकाश पांडे, थाना प्रभारी, रजरप्पा दरअसल रजरप्पा मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को माता के दर्शन पूजन में किसी भी तरह की कोई परेशानी ना हो इसके लिए जिला पुलिस और प्रशासन की ओर से व्यवस्था की गई है।

आर्ष कन्या गुरुकूल का रामनवमी जुलूस : महिलाओं ने हाथ में तलवार और लाठी के साथ दिखाया करतब

हजारीबागः जिले में महिला सशक्तिकरण का अद्भुत नजारा रामनवमी के दौरान देखने को मिला। जहां महिलाओं ने हाथ में तलवार और लाठी के साथ करतब दिखाया। परंपरा के अनुसार आर्य समाज द्वारा संचालित आर्ष कन्या गुरुकूल की ओर से रामनवमी का शौर्य शोभायात्रा निकाला गया। इस दौरान आर्ष कन्या गुरुकुल की ब्रहमचारी और ब्रहमचारिणियों ने शानदार तलवारबाजी, लाठी और अन्य साहसिक खेलों का प्रदर्शन कर लोगों को आकर्षित किया। लाठी के साथ-साथ बालक और बालिकाओं का बैंड दस्ता भी चल रहा था। जुलूस में रथ और घोड़े भी शामिल किए गए थे। रथ पर आर्य समाज के प्रतिनिधि सवार थे। आर्ष कन्या गुरुकुल में पिछली एक माह से रामनवमी को लेकर तैयारी चल रही थी। गुरुकुल की छोटी-छोटी बच्चियों को परंपरागत हथियार चलाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा था। प्रशिक्षण पूरा होने पर जब ब्रह्मचारिणियों ने सड़क पर अपना प्रदर्शन दिखाया तो सभी आश्चर्यचकित हो गए। इस आयोजन के पीछे का मकसद समाज को यह संदेश देना था कि बेटियां भी बेटों से काम नहीं हैं। गुरुकुल के आचार्य ने कहा कि हर बेटी को रानी लक्ष्मीबाई बनने की जरूरत है। बेटियां तैयार हो रही हैं, कल देश की रक्षा भी करेंगी। जुलूस में शामिल कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह ने समस्त हजारीबाग वासियों को रामनवमी की शुभकामनाएं दी हैं। साथ ही कहा कि गुरुकुल की बच्चियां कमाल कर रही हैं। हाथों में लाठी और तलवार के साथ जब वह सड़क पर शौर्य प्रदर्शन कर रही हैं, तो ऐसा लग रहा है कि उनमें आत्मविश्वास कूट-कूट कर भरा हुआ है। उन्होंने कहा कि यह बेटियां सिर्फ तलवार ही नहीं चलाती हैं, जब यह वेद और उपनिशद का उच्चारण करती हैं तो हर एक व्यक्ति मंत्र मुक्त हो जाता है। जुलूस में बड़ी संख्या में शहर के लोग और महिलाएं शामिल हुईं। हजारीबाग डीसी, एसपी ने की जुलूस मार्ग का निरीक्षणः इससे पहले हजारीबाग जिला प्रशासन ने सुरक्षा को देखते हुए रामनवमी जुलूस मार्ग का भौतिक निरीक्षण किया गया। जिला उपायुक्त नैंसी सहाय और पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह के अगुवाई में जुलूस मार्ग का निरीक्षण किया गया। उन्होंने कहा कि नवमी का जुलूस आज ग्रामीण क्षेत्रों में निकाला गया। वह शांतिपूर्वक संपन्न हो चुका है। उन्होंने हजारीबाग वासियों से अपील की है कि उत्साह के साथ त्योहार मनाए। जो भी व्यक्ति कानून तोड़ेगा उसके खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी।

घर में घुस कर बदमाशों ने दंपत्ति पर की गोलीबारी,महिला की मौत

मेदिनीनगरः पलामू जिले में बदमाशों ने एक दंपती को गोली मार दी, जिसमें महिला की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना कजरी गांव में हुई। अधिकारियों ने बताया कि दंपति के घर में अचानक बदमाश घुस गए और गोलीबारी कर दी, जिससे बबीता देवी की मौके पर ही मौत हो गई। महिला के पति राम सिंह को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, प्रारंभिक जांच के अनुसार मामला पुरानी रंजिश से जुड़ा प्रतीत होता है, लेकिन हमले के पीछे का इरादा विस्तृत जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।''

उन्होंने बताया कि ग्रामीणों ने एक हमलावर को पकड़ लिया जो बिहार के गया जिले का रहने वाला है। अधिकारी ने बताया कि अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

चारधाम यात्रा के नाम पर साइबर ठगी, झटके में खाता खाली

जमशेदपुरः उत्तराखंड में चारधाम यात्रा की शुरूआत भले ही कुछ ही दिनों बाद होनी है, लेकिन साइबर ठगों ने पहले ही अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। श्रद्धालुओं की आस्था और यात्रा की तैयारी को भुनाते हुए साइबर अपराधी अब उन्हें फर्जी पैकेज, टिकट और पास बुकिंग के नाम पर ठगने लगे हैं।

साइबर सेल को अबतक दो दर्जन से अधिक शिकायतें प्राप्त हो चुकी हैं। ठगों द्वारा लोगों के मोबाइल पर आकर्षक यात्रा पैकेजों से संबंधित मैसेज भेजे जा रहे हैं, जिनमें एक लिंक दिया होता है। जैसे ही कोई व्यक्ति उस लिंक पर क्लिक करता है, वह फर्जी वेबसाइट पर पहुंच जाता है, जहां उसे हेलीकॉप्टर सेवा, होटल बुकिंग, यात्रा पास आदि के नाम पर फर्जी बुकिंग का झांसा दिया जाता है।

लिंक पर क्लिक करते ही खाते से रुपये की निकासी हो जाती है। इस तरह के कई मामले सामने आए हैं। साइबर ठग चारधाम यात्रा के नाम पर उम्रदराज लोगों को निशाना बना रहे हैं। अबतक पुलिस 26 फर्जी वेबसाइट को बंद करा चुकी है, जो चारधाम यात्रा के नाम पर अवैध पैसे वसूल रही थी। ठगी के मामले सामने आने के बाद पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और अधिकारिक वेबसाइट का प्रयोग कर के ही बुकिंग करें। अनजान लिंक पर गलती से भी क्लिक न करें। सतर्कता से ही बचाव संभव हैं।

मानगो के एक व्यक्ति को भी इसी तरह का एक मैसेज आया था। उन्होंने दिए गए लिंक पर क्लिक किया तो उनके मोबाइल में एक एप डाउनलोड हो गया। इसके बाद उनके मोबाइल पर रुपये कटने के मैसेज आने लगे। उन्होंने तत्काल फोन बंद कर दिया। तबतक खाते से 15079 रुपये कट चुके थे।

स्वास्थ्य विभाग ने स्वास्थ्य निदेशक के जांच प्रतिवेदन को छुपा दोषियों को बचायाः सरयू राय

संवाददाता

रांचीः जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने कहा कि आयुष्मान घोटाले में झारखंड सरकार के स्वास्थ्य विभाग की संलिप्तता का एक नया पहलू उजागर किया है। सरयू राय के अनुसार, स्वास्थ्य विभाग ने जानबूझकर वैसे सरकारी चिकित्सकों पर कोई कारवाई नहीं की, जो नियम के विरुद्ध आयुष्मान के साथ सूचीबद्ध निजी अस्पतालों के साथ कार्य कर रहे थे, वहां इलाज किया या सूचीबद्ध निजी अस्पतालों ने उनके नाम पर इलाज किया हुआ दिखाया और इन्शोयेरेंस कंपनी से नाजायज पैसे का दावा किया।

सरयू राय ने कहा कि झारखंड स्टेट आरोग्य सोसाइटी के तत्कालीन कार्यकारी निदेशक डॉ। भुवनेश प्रताप सिंह ने झारखंड सरकार के स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक (प्रमुख) से 3 अगस्त2022 को पत्र संख्या 474 के माध्यम से अनुरोध किया कि वे सरकारी नेत्र चिकित्सकों एवं गैर नेत्र चिकित्सकों द्वारा पदस्थापित अस्पताल के अतिरिक्त निजी सूचीबद्ध अस्पतालों में किये जा रहे कार्य की तथ्यात्मक जांच करा कर जांच प्रतिवेदन यथाशीघ्र उन्हें उपलब्ध कराए। इस पत्र में उन्होंने कहा कि सरकार के निर्देश पत्रांक 866(3) दिनांक 15जुलाई2016 की अवहेलना की जा रही है।

सरयू राय ने कहा कि इस संबंध में कार्यकारी निदेशक ने झारखंड स्टेट आरोग्य सोसाइटी के कार्यालय द्वारा पत्रांक 459 दिनांक 25 जुलाई 2022 के माध्यम से स्वास्थ्य निदेशक को पूर्व में भेजे गये दिशा-निर्देश की प्रति पुनः प्रेषित की। दिशा-निर्देश में सरकारी चिकित्सकों द्वारा निजी प्रैक्टिस करने के संबंध में विस्तार से उल्लेख है। इसके अनुसार, निजी चिकित्सक की डॉक्टर के रुप में एक ही अस्पताल में कार्य कर सकते हैं तथा विशेषज्ञ के रुप में अधिकतम चार अस्पतालों में इलाज कर सकते हैं। चिकित्सक यदि चाहें तो प्रतिदिन अपने कार्यावधि तथा अस्पताल के ओपीडी के बाद ही निजी प्रैक्टिस कर सकते हैं। चिकित्सक किसी निजी अस्पताल/नर्सिंग होम/डायग्नोस्टिक सेंटर में अपनी सेवाएं नहीं देंगे।

सरयू राय ने कहा कि झारखंड राज्य आरोग्य सोसाइटी के निदेशक के उपर्युक्त पत्र के उपरांत स्वास्थ्य विभाग में इस संबंध में जांच हुई और पाया गया कि बड़ी संख्या में ऐसे चिकित्सक हैं, जो दिशा-निर्देश की अवहेलना कर उन सूचीबद्ध अस्पतालों में निजी प्रैक्टिस कर रहे हैं, जो निजी अस्पताल आयुष्मान योजना के तहत सरकारी लाभ बीमा कंपनियों के माध्यम से प्राप्त कर रहे हैं। सरयू राय ने बताया कि कई डॉक्टर तो जिस जिले में पदस्थापित हैं, उस जिले से काफी दूर के जिलों के सूचीबद्ध अस्पतालों में निजी प्रैक्टिस कर रहे हैं। एक डॉक्टर की सरकारी पोस्टिंग शिकारीपाड़ा में है पर ये गोड्डा के तीन अस्पतालों में निजी प्रैक्टिस कर रहे हैं। कोई डॉक्टर बोकारो जिला में पदस्थापित है तो वह रामगढ़ और हजारीबाग के निजी सूचीबद्ध अस्पतालों में प्राइवेट प्रैक्टिस कर रहा है। बोकारो में पदस्थापित एक डॉक्टर तो एक साथ बोकारो के 12 निजी सूचीबद्ध अस्पतालों में निजी प्रैक्टिस करते हुए दिखाए गये हैं जबकि दिशा-निर्देश के अनुसार उन्हें चार से अधिक अस्पतालों में निजी प्रैक्टिस नहीं करनी है और वह निजी प्रैक्टिस भी सरकारी अस्पतालों में अपनी ड्यूटी आवर्स के बाद ही करनी है।

सरयू राय ने बताया कि बोकारो के अन्य तीन डॉक्टर ऐसे भी हैं, जो जांच के दौरान छह सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में निजी प्रैक्टिस करते हुए दिखाए गये हैं। इसी तरह हजारीबाग में पदस्थापित चिकित्सक रांची में, कोडरमा में पदस्थापित डॉक्टर लातेहार में, रांची के रिम्स में पदस्थापित डॉक्टर खूंटी में, सदर अस्पताल गोड्डा में पदस्थापित डॉक्टर दुमका, पाकुड़, साबेहगंज और देवघर के निजी सूचीबद्ध अस्पतालों में निजी प्रैक्टिस करते हुए पाये. गए। सदर अस्पताल पलामू में पदस्थापित एक डॉक्टर गढ़वा में, लोहरदगा सरकारी अस्पताल का सरकारी डॉक्टर जामताड़ा, पूर्वी सिंहभूम जिला तथा पश्चिमी सिंहभूम जिले के निजी अस्पताल में कार्यरत पाये गए। ऐसे अनेक उदाहरण जांच के दौरान मिले, जिसमें रांची के डॉक्टर धनबाद में, हजारीबाग के डॉक्टर गिरीडीह में निजी प्रैक्टिस करते हुए पाये गए। आयुष्मान भारत कार्यालय ने ऐसे डॉक्टरों की सूची अलग से राज्य सरकार को भेजी थी परंतु यह सूची और स्वास्थ्य निदेश के जांच प्रतिवेदन को दबा दिया गया। इस तरह से झारखंड सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने जानबूझकर आयुष्मान घोटाला के दोषियों को बचाने का काम किया। स्वास्थ्य विभाग ने ऐसे चिकित्सकों से पूछताछ नहीं की कि उन्होंने अपने जिला में चार से अधिक आयुष्मान के साथ सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में काम किया है या नहीं।